सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 342 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 24 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

एनएच-30 केशकाल सिटी पोर्शन के उन्नयन के लिए केन्द्र से 8.75 करोड़ की स्वीकृति

रायपुर। बस्तर अंचल के एनएच-30 (केशकाल सिटी पोर्शन) के उन्नयन के लिए केन्द्र सरकार ने 8.75 करोड़ की स्वीकृति दी। यह स्वीकृति केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अनुशंसा पर मिली है। इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है।

उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बस्तर अंचल के एनएच-30 (केशकाल सिटी पोर्शन) के उन्नयन हेतु 8.75 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में निवास करने वाले हमारे आदिवासी भाई-बहनों को मुख्यधारा से जोड़कर बस्तर अंचल के आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगी। साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान करते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव बनेगी। बस्तर के विकास को समर्पित इस महत्वपूर्ण निर्णय हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी आपका हृदय से आभार है।

425 वाहनों का रजिस्ट्रेशन निलंबित, नोटिस के बाद कार्रवाई

बलौदाबाजार। मोटर यान नियमों का पालन नहीं करने पर 15 वर्ष पुराने 425 वाहनों का पंजीयन क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा निलंबित कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार जिला परिवहन कार्यालय द्वारा मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 39, 41एवं 56 के अधीन वाहन का पंजीयन करते हुए 15 वर्ष के लिए आरसी बुक जारी किया गया था। वाहन के 15 वर्ष की आयु पूर्ण हो जाने के पश्चात वाहन मोटरयान अधिनियम तथा इसके अधीन बनाये गये नियमों के अधीन उपयुक्त पाये जाने पर वाहन की आयु पंजीयन पुस्तिका में 5 वर्षों के लिए वृद्धि की जाती है। इस कार्यालय में ऐसे कुल 425 वाहने जो 15 वर्ष की आयु पूर्ण हो जाने के पश्चात भी पंजीयन नवीनीकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है। कार्यालय द्वारा सम्बधित वाहन स्वामियों को नोटिस दिया गया परन्तु नवीनीकरण नहीं करने एवं जयाब नहीं देने के कारण वाहनों का पंजीयन निलंबित कर दिया गया है।

महिला ने ऑनलाइन जहर मंगवाकर खाया, मौत

अंबिकापुर। शहर में ऑनलाइन आर्डर कर जहर मंगवाकर खाने से मौत का मामला सामने आया है। जहर खाने के बाद तबीयत बिगड़ी और उसे मेडिकल कॉलेज में प्रारंभिक इलाज के बाद रायपुर रेफर किया गया था। लेकिन बीच रास्ते में ही महिला की मौत हो गई। वसुंधरा कॉलोनी निशा सिंह ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है। निशा ने ऑनलाइन शॉपिंग एप के जरिए जहर मंगाया था, जिसके सेवन के बाद से तबीयत बिगड़ने पर उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने महिला की गंभीर हालत को देखते हुए रायपुर रेफर किया। लेकिन रायपुर ले जाते समय रास्ते में ही महिला की मौत हो गई। पुलिस जहर सेवन करने का कारण जानने का प्रयास कर रही है।

भिलाई के मरोदा जलाशय में बना तैरता सोलर प्लांट साल में 34 मिलियन यूनिट बिजली का होगा उत्पादन

सेल और एनटीपीसी के संयुक्त उपक्रम एनएसपीसीएल ने की स्थापना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल और एनटीपीसी के संयुक्त उपक्रम एनएसपीसीएल ने भिलाई इस्पात संयंत्र के मरोदा-1 जलाशय में 15 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग (तैरता) सौर विद्युत संयंत्र स्थापित किया है। मंगलवार को छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए इस सौर विद्युत संयंत्र का सफलतापूर्वक शुभारम्भ किया गया। शुभारंभ के दौरान इसकी क्षमता का परीक्षण भी किया गया और सुखद परिणाम भी सामने आया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथियों द्वारा पूजा-अर्चना कर शिलापट्ट का अनावरण किया गया तथा आकाश में गुब्बारे छोड़कर व वृक्षारोपण द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

बता दें इस परियोजना की परिकल्पना मुख्य महाप्रबंधक (पावर फैसिलिटीज) एवं निदेशक (एनएसपीसीएल) राजीव पांडेय द्वारा की गई थी। इसे बीएसपी के तात्कालीन कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) एवं निदेशक (एनएसपीसीएल) डॉ. अशोक कुमार पंडा द्वारा स्वीकृति प्रदान करते हुए इस परियोजना को आगे बढ़ाया। इस 15 मेगावाट फ्लोटिंग सौर विद्युत संयंत्र परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन 9 मई 2024 को हस्ताक्षरित हुआ था व इस परियोजना का शिलान्यास 30 जून 2024 को किया गया। मेसर्स माधव इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और मेसर्स क्रांट सोलर के सहयोग से यह परियोजना सेल की ग्रीन स्टील पहल के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्बन फुटप्रिंट को उल्लेखनीय रूप से कम करेगा।

80 एकड़ जल क्षेत्र में बना प्लांट

15 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग सौर विद्युत संयंत्र 111.35 करोड़ रुपए की लागत से 80 एकड़ जल क्षेत्र में निर्मित किया गया है। यह हर वर्ष लगभग 34.25 मिलियन यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करेगा। समस्त ऊर्जा का उपयोग भिलाई इस्पात संयंत्र की आंतरिक आवश्यकताओं के लिए होगा, जिससे संयंत्र में प्रतिवर्ष 28,400 टन कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन में कमी और 0.23 लाख टन कोयले की बचत होगी। यह परियोजना जलाशय में जल वाष्पीकरण को भी कम करेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करेगी।

हरित ऊर्जा के लिए ऐतिहासिक कदम

बीएसपी के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सेल और एनएसपीसीएल बिरादरी को बधाई देते हुए कहा कि यह परियोजना संयंत्र को हरित ऊर्जा उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि मरोदा-1 परियोजना की सफलता के पश्चात मरोदा-2 जलाशय पर भी इसी तरह की सार्थक पहल की जाएगी। उन्होंने कहा—सौर ऊर्जा स्वच्छ और पर्यावरण हितैषी ऊर्जा का स्रोत है, जो हमारे कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के साथ आने वाली पीढ़ियों को हरित और सतत भविष्य प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगा।

सौर ऊर्जा असीमित और हरित

निदेशक (वित्त सेल) डॉ. अशोक कुमार पंडा ने इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस्पात उद्योग पर्यावरण पर व्यापक दबाव डालता है और ऐसे में नवीकरणीय ऊर्जा का प्रयोग आवश्यक है, व सेल इस दिशा में व्यापक प्रयास कर रहा है, यह परियोजना भी उसी का हिस्सा है। उन्होंने कहा, सौर ऊर्जा असीमित और हरित है, इसे भारत और सेल की डिकार्बोनाइजेशन तथा एथिकल स्टील उत्पादन की यात्रा में प्रमुख साधन के रूप में अपनाना होगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि यह सौर ऊर्जा संयंत्र भारी वर्षा और आंधी-तूफान जैसी विपरीत जलवायु परिस्थितियों में भी सुरक्षित और सक्षम बना रहे।

सेल एवं एनएसपीसीएल के बीच सहयोग की सराहना

मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिवाकर कौशिक ने परियोजना के महत्व को रेखांकित किया तथा सेल एवं एनएसपीसीएल के बीच सहयोग की सराहना की। एनएसपीसीएल विकास जैन ने एक प्रस्तुतीकरण के द्वारा परियोजना के तकनीकी बिंदु प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन एचआर अधिकारी सैम के. अब्राहम ने किया और धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक तथा 15 मेगावाट परियोजना के प्रमुख नील कुमार शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर एनटीपीसी-सेल पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड , भिलाई इस्पात संयंत्र, सीआईएसएफ मेसर्स माधव इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड एवं मेसर्स क्रांट सोलर के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता, मुठभेड़ में 3 माओवादी ढेर, हथियार भी बरामद

■ जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने नक्सलियों के ठिकाने पर मारी रेड

रांची। झारखंड के गुमला जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के लवादाग जंगल में बुधवार की सुबह झारखंड जगुआर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने नक्सलियों के ठिकाने पर छापा मारा। इस मुठभेड़ में तीन कुख्यात माओवादी मारे गए, जबकि दो अन्य फरार हो गए।

मुठभेड़ के बाद मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद किए गए। इनमें एक एके-56 राइफल, एक एसएलआर और एक इंसास राइफल शामिल हैं। इसके अलावा कई मैगजीन और कारतूस भी पुलिस ने जब्त किए हैं। सुरक्षाबलों ने मारे गए तीन उग्रवादियों में से एक की पहचान बेलगड़ा गांव निवासी दिलीप लोहरा के रूप में की है। पुलिस के अनुसार वह लंबे समय से इलाके में सक्रिय था और कई मामलों में वांछित था। बाकी दो माओवादी की पहचान की जा रही है।

गुमला एसपी हरिश बिन जमा ने बताया, यह झारखंड पुलिस के नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी सफलता है। दोनों ओर से गोलीबारी हुई, जिसमें तीन उग्रवादी मारे गए। उनके पास से अत्याधुनिक हथियार बरामद किए गए हैं। सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है और जल्द ही फरार नक्सलियों को भी पकड़ा जाएगा। मुठभेड़ के बाद आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि माओवादी लंबे समय से जंगल में सक्रिय थे और जबरन लेवी वसूलते थे। वहीं सुरक्षाबलों की कार्रवाई से लोगों में राहत है और इलाके में शांति बहाल होने की उम्मीद जगी है। गुमला और आसपास के जिलों में पिछले कुछ हफ्तों से सुरक्षाबलों ने नक्सल सफाया अभियान तेज कर रखा है। यह मुठभेड़ पिछले एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी सफलता मानी जा रही है।

जीएसटी बचत उत्सव का जायजा लेने बाजारों में पहुंचे सीएम साय, व्यापारियों से किया संवाद

■ सीएम साय बोले- जीएसटी सुधार से आर्थिक गतिविधियों में आएगी तेजी, स्थानीय रोजगार को भी मिलेगा फायदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जीएसटी में बदलाव के बाद मंगलवार रात को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के एमजी रोड एवं आसपास के प्रमुख बाजारों का भ्रमण कर व्यापारियों और उपभोक्ताओं से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री के आगमन से पूरे बाजार का वातावरण उल्लास और उत्साह से भर गया। जगह-जगह व्यापारियों और नागरिकों ने उनका स्वागत किया और मोदी जी को धन्यवाद के नारे गूंजते रहे। मुख्यमंत्री ने दुकानदारों से प्रत्यक्ष संवाद करते हुए जाना कि नई कर व्यवस्था से व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को कितना बड़ा लाभ मिला है।

बता दें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लागू जीएसटी 2.0 ने कर प्रणाली को नई सरलता और पारदर्शिता प्रदान की है। जीएसटी स्लैब में बदलाव के बाद बाजारों में व्यापारी व ग्राहक दोनों ही खुश नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शाम को राजधानी रायपुर स्थित जयस्तंभ चौक से महात्मा गांधी मार्ग होते हुए गुरुनानक चौक तक पैदल बाजार भ्रमण किया और जीएसटी बचत उत्सव का जायजा लेने विभिन्न प्रतिष्ठानों में पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने दुकानों में बचत उत्सव के स्टीकर भी लगाए और स्थानीय दुकानदारों एवं ग्राहकों से आत्मीय चर्चा की। इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जीएसटी सुधार से देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी, जिससे स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा हाल में किए गए व्यापक जीएसटी सुधारों से टैक्स में कमी आई है और ग्राहकों को इसका सीधा लाभ मिल रहा है।

जीएसटी में कटौती से मिली राहत

मुख्यमंत्री से बातचीत में लीला श्रीराम इलेक्ट्रॉनिक्स में खरीददारी करने आई समता कॉलोनी निवासी सुश्री ऋचा ठाकुर ने कहा कि जीएसटी में कटौती से उनकी बड़ी चिंता दूर हुई है। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने हॉस्टल के लिए 5 एसी खरीदने थे। पहले 35,000 रुपये प्रति एसी की कीमत वाले उत्पाद अब कटौती और डिस्काउंट के बाद 30,000 रुपये में मिले, जिससे एक बार में ही 25,000 रुपये की बचत हुई। ऋचा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस निर्णय के लिए धन्यवाद दिया। इसी प्रकार एम.एस. ट्रेडर्स के प्रोप्राइटर मोहन नेभानी ने बताया कि बचत उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री स्वयं उनकी दुकान पर आए और ग्राहकों के लाभ की जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि जीएसटी में कटौती से ग्राहकों की खरीददारी बढ़ी है और हर सामान पर 1,000 से 2,000 रुपये तक की बचत हो रही है।

चेंबर के पदाधिकारियों ने किया सीएम का स्वागत

जयस्तंभ चौक पर मुख्यमंत्री का स्वागत चैम्बर ऑफ कॉमर्स और पार्टी पदाधिकारियों ने किया। मुख्यमंत्री साय ने टिनी टीज़र और किड्स ऑन व्हील साइकिल स्टोर जैसे प्रतिष्ठानों पर जाकर बच्चों से जुड़ी वस्तुओं और घरेलू सामग्री पर घटे कर दरों की जानकारी ली। इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों में जाकर उन्होंने जाना कि उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में कितनी सस्ती दरों पर सामान मिल रहा है।

सिर्फ पूजा से नहीं बनेगी बात

श्रीकंचनपथ

सनातन ने लगातार अपने जानकारियों को सहेजा और उनके आधार पर नए संस्कारों को जन्म दिया। स्थान, काल और पात्र बदलते रहे पर सुधार की यह प्रक्रिया निरंतर जारी रही। जब दुनिया केवल सूरज, चांद और तारा देख पाती थी तब हमारे ऋषियों ने तारों की भी गणना कर डाली। यह भी गणना कर डाली कि कौन सा ग्रह कब पृथ्वी पर कहां से दृष्टि डालता है। अर्थात, हमने अपनी स्थूल के साथ-साथ सूक्ष्म दृष्टि का भी विकास किया। सागर, नदी, नाले, पोखर से लेकर कुएं और वनस्पति के औषधीय गुणों तक की जानकारी हमने पीढ़ी दर पीढ़ी अनुभव से एकत्र किया। गलती केवल यह हो गई कि इन जानकारियों को वैज्ञानिक ढंग से सिलसिलेवार दर्ज करने की बजाय हमने इन्हें परम्पराओं में पिरो दिया। इसलिए हमारे आंगन में तुलसी है, वट, पीपल और नीम की हम पूजा करते हैं। नवरात्रि के विधान भी इसीसे जुड़े हैं। नवरात्रि के पर्व में माता की शक्ति के रूप में पूजा करने से लेकर कन्याओं को पूजे जाने की परम्परा है। ऋषियों ने और हमारे पुरखों ने यदि यह विधान किया था तो इसके पीछे एक बहुत बड़ी वजह थी। स्त्री शक्ति का स्रोत है, इसे तो विज्ञान भी स्वीकार करता है पर यह केवल भारतीय परम्परा है जो कन्या के महत्व को भी रेखांकित करता है। आधुनिक विज्ञान जहां गर्भ की योजना बनाने पर जोर देता है वहीं भारतीय परम्परा कन्या की बाल्यावस्था से ही देखभाल की प्रेरणा देता है। पर कहीं न कहीं हमसे चूक हो गई। बेटों के हाथों मुखाग्नि कराकर वैतरणी पार करने की अवधारणा इतनी बलवान हो गई कि हमने कन्याओं की चिंता करना ही छोड़ दिया। वह बचा खुचा खाकर, उतरन पहनकर बड़ी होने लगी। घर में मां का हाथ बंटाने के लिए होनहार बेटियों की पढ़ाई छुड़वा दी गई। छोटे-भाई बहनों की जिम्मेदारी भी उसे ही ओढ़ा दी गई। वह रक्ताल्पता और पोषणाभाव के साथ घास-फूस की तरह बड़ी होने लगी। अल्पायु में विवाह और मातृत्व के बोझ ने रही सही कसर पूरी कर दी। हालांकि पिछले 4-5 दशक में तेजी से हालात बदले हैं पर आज भी भारत में मातृत्व मृत्यु दर विकसित देशों के मुकाबले काफी अधिक है। अकेले 2023 में गर्भावस्था या प्रसव के दौरान 19 हजार महिलाओं की मृत्यु हो गई। अर्थात प्रतिदिन लगभग 52 महिलाओं ने गर्भ या प्रसव की जटिलताओं के कारण दम तोड़ दिया। आबादी की बात करें तो चीन और भारत सबसे करीब हैं। प्रत्येक एक लाख जीवित शिशु प्रसव के दौरान चीन में केवल 16 मौतें होती हैं जबकि भारत में यह आंकड़ा 80 है। अफ्सोस कि भारत में अकेले गरीबी इसका कारण नहीं है। मध्यमवर्ग से लेकर उच्च वर्ग भी इसकी चपेट में है। खानपान के साथ-साथ उनकी जीवनशैली भी इतनी बिगड़ी हुई है कि बिना डाक्टर और थेरेपिस्ट के वो 35 की उम्र पार नहीं कर पाते। स्थिति में तत्काल सुधार करना आवश्यक है।

संपादकीय

ओबीसी संघर्ष की यात्रा

जनता के सामाजिक न्याय का रथ इस बार कांगड़ा से धर्मशाला की ओर निकला, तो ओबीसी मंसूबों की हरारत में आरक्षण की बीमारी के लक्षण जुबान पर आ गए। संविधान के प्रश्न पर देश की सियासत और राजनीति के चूल्हे पर चढ़ा ओबीसी आरक्षण का मुद्दा हिमाचल में अपनी रथयात्रा का पहला पड़ाव तय कर पाया। लगभग साढ़े तीन दशक पूर्व मंडल आयोग की सिफारिशों पर उद्वेलित हुआ माहौल फिर से सुलगा, तो यह आकस्मिक नहीं, बल्कि नजरअंदाज होते समुदाय की एक लंबी कहानी है।

आरक्षण के 27 पेंच और दरख्वास्तें लाइलाज बना दी गईं, तो समझना यह भी होगा कि शनिवार को जो इकट्ठे हुए, तो वातावरण में असमानता के झंडे हवाओं से मुकाबिल थे। नारों में केवल हक की लड़ाई नहीं, बल्कि प्रदेश की राजनीति में एक नई अंगड़ाई थी। पिछले कुछ समय से गिरिपार क्षेत्र को कबाइली स्टेटस की दरकार ऊंची हुई और पैरवी का आलम पंजीकृत हो गया। इससे पहले कांगड़ा का गद्दी समुदाय ट्राइबल अधिकारों की श्रेणी में आ चुका है, तो कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना के साथ-साथ कुछ अन्य जिलों के मतदान को सीधा प्रभावित कर ओबीसी समाज क्यों पीछे रह गया।

शनिवार की रैली में जाहिर गुस्सा खेत की मेंढ से बाहर अब अपने अस्तित्व की पैरवी में लोकतांत्रिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों को पूरी तरह रेखांकित कर रहा था। ओबीसी समाज की वकालत बदली है, इस इश्तिहार की दरकार बदली है। अब यह एक पढ़ा-लिखा, जागरूक और जिंदादिल समाज की हैसियत से मैदान पर आया है। पैंतीस साल पहले यह आंदोलन ज्वलनशीलता को प्रमाणित कर रहा था, लेकिन अब इसमें इरादों, ऊर्जा, मंजिल और स्पष्टता का इजहार है। हिमाचल में ओबीसी एकता का यह एक नमूना भी रहा, जहां बैनर पर युवा चेहरा और मकसद में एक तयशुदा रणनीति शामिल हुई। कहना न होगा कि ओबीस आंदोलन में जो लय यहां पैदा हुई, उसका राष्ट्रीय महत्व पहचाना जा चुका है। ओबीसी समाज ने अपने संघर्ष के बिंदुओं को तराश लिया है, तथा एक बार फिर संविधान का 93वां संशोधन वकालत कर रहा है।

आरक्षण के पैमानों में ओबीसी को 27 प्रतिशत का हिसाब और राजनीति में एक नया उछाल चाहिए। यह खतरा उन ओबीसी लीडरों को भी है, जो सत्ता की मलाई में समाज की अगुवाई नहीं कर पाए। पिछले कुछ सालों से ओबीसी की राजनीतिक लीडरशिप अपने हिस्से के प्रभाव को हासिल नहीं कर पाई, तो रमेश धवाला, सरवीण चौधरी और वर्तमान में प्रो. चंद्र कुमार के इर्द-गिर्द हाशिए ही हाशिए नजर आए हैं।

ओबीसी समाज ने प्रत्यक्ष रूप में कई कल्याणकारी योजनाओं के आबंटन में हुई बेरुखी को इंगित किया है, तो समाज की मौजूदगी को प्रदेश के आर्थिक संसाधनों में दर्ज करने की पैरवी की है। यहां आरक्षण के तराजू से उपेक्षा के तराजू लड़ रहे हैं। सामाजिक उत्थान की जौ पैरवी अनुसूचित व अनुसूचित जनजातीय वर्ग को हासिल हुई, उसके बरअक्स ओबीसी वर्ग की पहचान को न जमीं मिली और न ही आसमां हासिल हुआ। यह केवल शिक्षा में नहीं, बल्कि रोजगार के आवेदनों में भी इस वर्ग की शिकायत है। शिकायत है कि अगर कबाइली छात्रावास शिक्षण संस्थानों में बन गए, तो ओबीसी बच्चों के लिए छात्रावास कब बनेंगे।

जाहिर है ओबीसी अब हर जगह हक के साथ स्थापित और प्रमाणित होना चाहते हैं, इसलिए कई प्रतीकात्मक मांगें भी उठी हैं। मसलन चौधरी हरिराम पार्क मटौर या पासू के ओबीसी भवन की अधूरी परिकल्पना से आजिज समाज अब जातीय आधारित मतगणना का शंखनाद भी कर रहा है। मांगों का एक बड़ा सिलसिला और संघर्ष का एक बड़ा काफिला धर्मशाला में गूंजता रहा। सियासत के लिए ओबीसी ने कुछ हलके चिन्हित कर लिए हैं, तो यह आंदोलन भविष्य की राजनीति का सूत्रधार होकर कई नेताओं के साम्राज्य को चुनौती भी दे गया। कुछ घर की बात थी, मगर सेंधमारी जहां हुई, वह छत दूसरे की चारदीवारी थी।

छत पर सोलर, घर में उजाला, बिल हुआ जीरो, भविष्य हुआ सुनहरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

आज जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याणकारी नीतियों के माध्यम से एक स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना इसका बेमिसाल उदाहरण है। यह योजना न केवल बिजली आपूर्ति की समस्या का समाधान करती है, बल्कि देश को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक ऐतिहासिक पहल साबित हो रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हमेशा से यह विज़न रहा है कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो और इसमें ऊर्जा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता सबसे अहम भूमिका निभाए। भारत जैसे विशाल देश में, जहां हर वर्ग का नागरिक बिजली पर निर्भर है, वहां सौर ऊर्जा को अपनाकर न केवल घरेलू स्तर पर राहत दी जा सकती है, बल्कि औद्योगिक और ग्रामीण विकास को भी नई गति प्रदान की जा सकती है। इसी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना, जिसके अंतर्गत नागरिकों को प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

योजना का उद्देश्य केवल बिजली बिल कम करना भर नहीं है, बल्कि हर नागरिक को ऊर्जा उत्पादक बनाना है। पहले जहां लोग केवल उपभोक्ता थे, वहीं अब वे अपने घर की छत पर लगे सोलर पैनलों से बिजली उत्पन्न कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इससे उनकी आर्थिक बचत होती है और अतिरिक्त बिजली उत्पादन से आय का मार्ग भी खुलता है। यह बदलाव गांव-गांव और शहर-शहर में एक नई क्रांति का रूप ले रहा है।

कोरबा जिले से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित छुरी गांव निवासी श्री अशोक अग्रवाल बिजली का स्थाई विकल्प ढूंढ रहें थे जिससे बिल का झमेला भी न हो और बजट फ्रेंडली हो, उनका घर और साथ ही राइस मिल, दोनों में बिजली की खपत अधिक थी, जिससे हर महीने बिल आता था। योजना की जानकारी मिलते ही उन्होंने 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल अपने घर की छत पर स्थापित कराया। शासन से उन्हें सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे पैनल की लागत काफी कम हो गई। पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया और परिवार को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलने लगी।

श्री अग्रवाल आज अपने अनुभव को गांव और आसपास के लोगों से साझा कर उन्हें योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह योजना वर्तमान की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी ऊर्जा संरक्षण का मार्ग है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पांच संकल्प में आत्मनिर्भर भारत को प्रमुख लक्ष्य बताया है। सूर्यघर योजना इस संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार कर रही है। यह पहल न केवल नागरिकों को राहत पहुंचा रही है, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी एक मजबूत कदम है। इसके साथ ही, यह योजना सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स को भी पूरा करने में सहायक है। पर्यावरण संरक्षण, अक्षय ऊर्जा का प्रसार, ग्रामीण विकास, और आर्थिक सशक्तिकरण ये सभी लक्ष्य एक साथ पूरे होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां बिजली की उपलब्धता अक्सर चुनौती का कारण बन जाती है, वहां अब लोग अपने घर की छतों से ही आत्मनिर्भर हो रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में भी यह योजना लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही है। जब हर घर सूरज की रोशनी से बिजली उत्पन्न करेगा, तब भारत केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया के लिए भी एक आदर्श बनेगा। सूरज से रोशनी, जीवन में समृद्धि यह न केवल आज की जरूरत है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ, सुरक्षित और सशक्त भविष्य देने वाली पहल है।

इसी प्रकार कोरबा जिले के कटघोरा निवासी विशेष मित्तल, व्यापारी एवं बाइक शोरूम संचालक है, इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। उनके घर में भी बिजली खपत अत्यधिक थी, एक दिन समाचार माध्यमों से योजना की जानकारी मिली और उन्होंने तुरंत पंजीकरण कराया। महज 3 से 4 दिनों में उनके घर की छत पर सोलर पैनल स्थापित हो गया। शासन से उन्हें 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई।

विशेष मित्तल ने पैनल अपनी माताजी श्रीमती अंजनी मित्तल के नाम पर लगवाया। प्रारंभ में उन्हें विश्वास नहीं था कि वास्तव में बिजली बिल शून्य हो सकता है, लेकिन जब कुछ ही महीनों में यह संभव हुआ तो उन्होंने स्वयं योजना की सराहना की और अपने मायके व परिचितों को भी इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना हमारे जैसे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए सच्चा वरदान है। इससे हमें आर्थिक मजबूती मिली है और हम अपने भविष्य को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में संचालित प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आज आमजन के जीवन को रोशन कर रही है। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत नागरिक अपने घरों की छतों पर सौर पैनल स्थापित कर सकते हैं और प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ ले सकते हैं। जिसमें सब्सिडी की सुविधा केंद्र सरकार द्वारा रुपये 30 हजार से लेकर रुपये 78 हजार तक की सब्सिडी दी जाती है, राज्य सरकार द्वारा रुपये 30 हजार की सब्सिडी, सुलभ ऋण कम ब्याज दर पर ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग के लोग भी सहजता से सोलर पैनल स्थापित कर सकें, तेजी से क्रियान्वयन पंजीयन से लेकर पैनल स्थापना तक की प्रक्रिया मात्र 3 से 4 दिनों में पूरी हो जाती है, आर्थिक बचत बिजली बिल शून्य होने से परिवारों को हर महीने सैकड़ों से हजारों रुपये की बचत होती है और पर्यावरण सुरक्षा सौर ऊर्जा उपयोग से प्रदूषण कम होता है और स्वच्छ ऊर्जा का प्रसार होता है।

आज कोरबा जिले से लेकर राज्य और देश के हर हिस्से में इस योजना की सफलता की कहानियां गढ़ी जा रही हैं। ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में लोग इसे अपना रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि लोग केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि बिजली उत्पादक बन रहे हैं। अब घरों की छतें केवल छाया और सुरक्षा नहीं देतीं, बल्कि आत्मनिर्भर भविष्य का आधार बन रही हैं। व्यापारियों और उद्योगों को अब निर्बाध बिजली मिल रही है, महिलाएं घरेलू कार्यों में बाधा रहित ऊर्जा का लाभ ले रही हैं, युवाओं के लिए यह रोजगार और उद्यमिता का नया अवसर बन रहा है।

लाभार्थी अशोक अग्रवाल और मित्तल परिवार सहित हजारों लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह योजना जन-जन के जीवन में स्थायी बदलाव ला रही है। इससे आर्थिक सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता एक साथ संभव हो रही है। यह पहल आने वाली पीढ़ियों को भी सुरक्षित और स्वच्छ ऊर्जा का भविष्य प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि यह जनआंदोलन बन चुकी है। इनके जैसे हजारों परिवार यह सिद्ध करते हैं कि यदि सही दिशा में कदम बढ़ाया जाए तो हर परिवार अपने जीवन में खुशहाली, आर्थिक मजबूती और स्वच्छ ऊर्जा का प्रकाश फैला सकता है।

पुस्तकें जो सबके लिए बन जाती हैं दर्द में दवा

पंकज चतुर्वेदी

दुविधा काल में किताबों में पढ़ने से, समझने से उसकी सोच का सकारात्मक विस्तार होता है। लोगों को एक सात्विक मानसिक खुराक दे सकती हैं, जो उनके जल्दी रोगमुक्त होने में सहायक हो सकता है।

अस्पतालों में पुस्तकालय

तमिलनाडु के तिरुचि के महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल में एक उपेक्षित कोने में शुरू हुआ पुस्तकालय मरीजों, तीमारदारों और कर्मचारियों के लिए सुकून, ज्ञान और समय बिताने का माध्यम बन गया है। यहां कुछ पुस्तकें, पत्रिकाएं और अंग्रेज़ी-तमिल अख़बार उपलब्ध हैं। कोविड काल में यह सिद्ध हो चुका है कि मनोरंजक किताबें मरीजों के उपचार में बेहद सहायक होती हैं। कोविड की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली से सटे गाजियाबाद में कोरोना के लक्षण वाले मरीजों को एकांतवास में रखा जाता था। लेकिन आए दिन एकांतवास केंद्रों से मरीजों के झगड़े या तनाव की खबरें आ रही थीं। तब जिला प्रशासन ने नेशनल बुक ट्रस्ट के सहयोग से लगभग 200 बच्चों की पुस्तकें वहां वितरित कर दीं। रंग-बिरंगी पुस्तकों ने मरीजों के दिल में जगह बना ली और वे खुश नजर आने लगे। उनका समय पंख लगाकर उड़ गया। डॉक्टरों ने भी माना कि पुस्तकों ने क्वारंटीन किए गए लोगों का तनाव कम किया, उन्हें गहरी नींद आई और सकारात्मकता का संचार हुआ। इससे उनकी स्वास्थ्य लाभ की गति भी बढ़ी। दिल्ली में भी छतरपुर स्थित राधास्वामी सत्संग में बनाए गए विश्व के सबसे बड़े क्वारंटीन सेंटर में हजारों पुस्तकों के साथ लाइब्रेरी शुरू करने की पहल की गई। यहां नेशनल बुक ट्रस्ट ने एक हजार किताबों के साथ उनकी पत्रिका 'पाठक मंच' बुलेटिन और 'पुस्तक संस्कृति' के सौ-सौ अंक भी रखे। वहां भर्ती मरीज जल्दी स्वस्थ और प्रसन्न दिखे।

देश के अस्पतालों में मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों की उपस्थिति भीड़ और अव्यवस्था का बड़ा कारण है, क्योंकि वे अक्सर बिना काम के प्रतीक्षा क्षेत्र में समय बिताते हैं और मानसिक थकान का शिकार हो जाते हैं, जिससे अस्पताल प्रणाली पर भी दबाव बढ़ता है। तिरुची के अस्पताल के पुस्तकालय ने ऐसे तीमारदारों को सकारात्मक और व्यस्त रखने का समाधान खोजा है। दुनिया के विकसित देशों के अस्पतालों में पुस्तकालय की व्यवस्था का इतिहास सौ साल से भी पुराना है। अमेरिका में 1917 में सेना के अस्पतालों में लगभग 170 पुस्तकालय स्थापित किए गए थे। ब्रिटेन में सन? 1919 में वार लाइब्रेरी की शुरुआत हुई। इसके बाद आज अधिकांश यूरोपीय देशों के अस्पतालों में मरीजों को व्यस्त रखने और ठीक होने का भरोसा देने के लिए ऐसी पुस्तकों की व्यवस्था है। ऑस्ट्रेलिया के सार्वजनिक अस्पतालों में तो आम लोग भी पुस्तकें पढ़ने के लिए ले सकते हैं। इंग्लैंड के मैनचेस्टर के क्रिस्टी कैंसर अस्पताल का पुस्तकालय तो पुस्तकों का वर्गीकरण रंगों के अनुसार करता है। जापान के अस्पतालों में बच्चों की किताबें बहुतायत में मिलती हैं और उन्हें अक्सर वयस्क ही पढ़ते हैं।

भारत में तकरीबन अड़तीस हजार अस्पताल हैं, जिनमें कोई आठ लाख से अधिक मरीज हर दिन भर्ती होते हैं। इनके साथ तिमारदार भी होते हैं। अनुमान है कि कोई बीस लाख लोग चौबीसों घंटे अस्पताल परिसर में होते हैं। इनमें बीस फीसदी ही बेहद गंभीर होते हैं, शेष लोग बुद्धि से चैतन्य और ऐसी अवस्था में होते हैं जहां उन्हें बिस्तर पर लेटने या बाहर अपने मरीज का इंतजार करना एक उकताहट भरा काम होता है। आमतौर पर बड़े अस्पतालों में मरीजों और तीमारदारों के लिए लगाए गए टीवी, अक्सर तनाव बढ़ाने वाले कार्यक्रम दिखाते हैं, जबकि मोबाइल फोन अफवाहों और झूठी सूचनाओं का जरिया बन चुके हैं। इससे मरीजों का मानसिक संतुलन और तीमारदारों की शांति दोनों प्रभावित होती है। सर्वविदित है कि पुस्तकें एकांत में सबसे अच्छा साथ निभाती हैं। ये काले छपे हुए शब्द, दर्द और उदासी के दौर में दवा का काम करते हैं। हर किसी की जिंदगी में कुछ अच्छी किताबों का होना जरूरी है। किताबें सिर्फ मनोरंजन या इम्तिहान उत्तीर्ण करने के लिए नहीं होतीं, जिंदगी के रास्ते बनाने के लिए होती हैं। किताबों में हर मुश्किल सवाल, परिस्थिति का हल भले ही न छुपा हो लेकिन दुविधा काल में किताबों में पढ़ने से, समझने से उसकी सोच का सकारात्मक विस्तार होता है। लोगों को एक सात्विक मानसिक खुराक दे सकती हैं, जो उनके जल्दी रोगमुक्त होने में सहायक हो सकता है। यदि देश के सभी जिला अस्पतालों, मेडिकल कालेज और बड़े समूह के निजी अस्पतालों में हिंदी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषा की अच्छी पुस्तकें रखी जाएं, प्रत्येक भर्ती मरीज से कुछ रुपये लेकर उनका पुस्तकालय से एक या दो किताबों जारी करने का कार्ड बना दिया जाए तो यह नए तरीके का पुस्तकालय अभियान बन सकता है। यदि प्रशासन या अस्पताल चाहें तो हर शहर में कुछ साहित्यप्रेमी लोग, सेवानिवृत्त जागरूक व्यक्ति ऐसे पुस्तकालयों के लिए निःशुल्क सेवा देने को भी तैयार हो जाएंगे। प्रारंभ में साहित्य, सूचना, बाल साहित्य की पुस्तकें रखी जाएं जो मरीज या तिमारदार को भाषा-विषय-वस्तु और प्रस्तुति के स्तर पर ज्यादा कठिन न लगे।

यदि मरीजों को दी जा रही दवा के साथ पुस्तकें आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें, तो अस्पताल से जाते समय उनके पास ज्ञान, सूचना और जिज्ञासा का ऐसा खजाना होगा, जो जीवनभर उनके साथ रहेगा। अस्पताल के दिन उन्हें बोझ नहीं, बल्कि एक उपलब्धि की तरह याद आएंगे। यही पुस्तकें वहां काम कर रहे चिकित्सकों और कर्मचारियों के लिए भी ऊर्जा का स्रोत बन सकती हैं। इसलिए देश की स्वास्थ्य नीति में हर अस्पताल में पुस्तकालय की स्थापना के लिए बजट का प्रावधान, निःशुल्क दवा वितरण की तरह ही एक प्रभावी और दूरदर्शी कदम होगा।

शारदीय नवरात्रि

"सुषमा के स्नेहिल सृजन"

विधा - मनहरण घनाक्षरी

"माता चंद्रघंटा"

भवानी माँ चंद्रघंटा, युद्ध मुद्रा

सिंहारूढ़ा,
शोभित कमल श्वेत,
हार पहनाइए।
भोग प्रिय पंचामृत,
केशर व दूध घृत,
पीले फूल गुलाब से,
माता को रिझाइए।
उपासना करें भक्त,
पहनते पीत वस्त्र,
नमस्तस्यै नमो नमः,
मैया गुण गाइए।
'सुषमा' से नैन तीन,
सुखद है पलछिन,
हस्त दस वर देती,
आँचल फैलाइए।
जय माँ चंद्रघंटा

कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल, रायपुर छ ग

जेल से बाहर आये आजम की चुप्पी ने बढ़ाया सियासी पारा

अजय कुमार

कद्दावर नेता आजम खान 23 माह के बाद जेल से बाहर आ गये। रिहाई के बाद उन्होंने अभी तक मुंह नहीं खोला है, लेकिन आजम को लेकर राजनीति के गलियारों में कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कोई उनके बहुजन समाज पार्टी के साथ तो कोई ओवैसी के साथ जाने की बात कह रहा है। उधर, समाजवादी पार्टी आजम की रिहाई पर मुखर होकर खुशियां नहीं मना रही है, इससे लगता है कि अब आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के लिए प्रासंगिक नहीं रह गये हैं।

इसकी वजह भी है आजम एक कट्टर मुस्लिम नेता के रूप में अपनी पहचान रखते हैं। उधर, बीजेपी हिन्दू वोटरों को एकजुट करने में लगी है, ऐसे में आजम की कट्टर छवि के चलते उनको साथ लेने पर समाजवादी पार्टी को गैर मुस्लिम वोट बैंक छिड़कने की संभावना रहती है। इसी से बचने के लिये आजम खान से समाजवादी पार्टी थोड़ी दूरा बनाकर चल रही है।आजम खान के पास रिहाई के बाद सपा से दूरी बनाकर अपनी राजनीति चमकाने के और कौन कौन से विकल्प बचे है, इस पर बारीकी से नजर दौड़ाने पर जो तस्वीर उभर कर सामने आती है। वह कुछ इस प्रकार की हो सकती है।

करीब दो साल बाद आजम खान की रिहाई के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गयी है। तेईस महीनों तक जेल की सलाखों के पीछे रहकर बाहर आये आजम खान ने बाहर आते ही खामोशी अख्तियार कर रखी है। यह खामोशी अपने आप में बहुत गहरी है, क्योंकि एक ओर जहां उनके समर्थक यह इंतजार कर रहे हैं कि वह कोई राजनीतिक संकेत देंगे, वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी में उनके लिये ठंडी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी आजम की रिहाई पर कोई बड़ा बयान नहीं दिया, न ही पार्टी ने ढोल नगाड़ों के साथ इस अवसर को राजनीतिक उत्सव बनाया। इस स्थिति को देखकर यह सहज अंदाज लगाया जा सकता है कि आजम खान अब समाजवादी पार्टी की राजनीति में पहला विकल्प नहीं रह गये हैं।

गौरतलब हो, आजम खान ने अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा के दौरान यह छाप बनाई है कि वह एक बेहद मजबूत, कट्टर और मुखर मुस्लिम नेता हैं। रामपुर से लेकर लखनऊ तक उनके भाषणों और उनकी पहचान हमेशा अल्पसंख्यक राजनीति से मजबूती से जुड़ती रही है। इसी वजह से जब भी मुस्लिम वोट बैंक को लामबंद करने की चर्चा होती है, तो आजम खान का नाम सबसे ऊपर आता है। मगर उत्तर प्रदेश की मौजूदा राजनीति में सपा की रणनीति मुस्लिम समेत अन्य जातियों को साथ लाकर सत्ता पर वापसी की है। भाजपा लगातार हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण कर रही है। ऐसे समीकरण में पार्टी के लिये आजम खान की कट्टर मुस्लिम नेता वाली छवि कहीं न कहीं चुनौती बन सकती है, क्योंकि भाजपा इस छवि को कठघरे में खड़ा कर गैर मुस्लिम वोटरों को अपने पास पूरी तरह खींचने की कोशिश करेगी। ऐसे में यह सवाल उठता है कि अब जेल से बाहर आये आजम खान अपनी राजनीति किस दिशा में ले जाते हैं। अगर समाजवादी पार्टी ने उनसे दूरी बना ली, तो उनके पास रणनीतिक तौर पर कौन कौन से नए रास्ते बचते हैं।

सबसे पहला रास्ता बहुजन समाज पार्टी की ओर जाता दिखता है। बसपा की मौजूदा राजनीति मुस्लिम और दलित के गठजोड़ पर टिकी हुई है। मायावती लगातार इस फार्मूले को आगे रखने की कोशिश कर रही हैं। मगर बसपा के पास वह तेजतर्रार मुस्लिम चेहरा नहीं है जो आजम खान जैसे कद्दावर नेता की सियासी ताकत को दर्शा सके। ऐसे में यदि आजम मायावती के साथ कदम मिलाते हैं, तो बसपा को लाभ मिल सकता है और आजम को भी अल्पसंख्यकों के बीच अपनी जमीन मजबूत करने का प्लेटफार्म मिल जायेगा। दूसरा रास्ता असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन का है। ओवैसी ने उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत की राजनीति में मुसलमानों को अपने पक्ष में करने की लगातार कोशिश की है। मगर उनकी पार्टी अभी तक यहां बहुत बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई है। अगर आजम खान जैसे नेता ओवैसी के साथ आते हैं, तो मुस्लिम राजनीति को एक नया स्वरूप मिल सकता है। रामपुर, मुरादाबाद, बरेली, सहारनपुर जैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में यह गठजोड़ असर दिखा सकता है। हालांकि इसके साथ यह भी सच है कि अगर आजम खान पूरी तरह मुस्लिम राजनीति में केंद्रित हो जाते हैं, तो उन्हें व्यापक गठजोड़ का हिस्सा बनने से दूरी झेलनी पड़ सकती है।

तीसरा विकल्प यह है कि आजम खान अपनी अलग राजनीतिक पार्टी खड़ी करें। उत्तर प्रदेश में कई नेताओं ने यह रास्ता अपनाया है, लेकिन बहुत कम को सफलता मिली है। मुलायम सिंह यादव, कांशीराम और मायावती जैसे नेताओं ने अलग मंच लेकर बड़ा विस्तार किया, पर इसके लिये व्यापक जनाधार और संगठनात्मक क्षमता की ज़रूरत होती है। आजम खान के पास रामपुर और उसके आसपास प्रभावशाली जनाधार है, लेकिन पूरे प्रदेश में उन्हें एक व्यापक समर्थन खड़ा करने की चुनौती होगी। हालांकि अगर वह यह कदम उठाते हैं, तो यह मुस्लिम राजनीति के लिहाज से एक बड़े प्रयोग जैसा होगा। इसके अलावा चौथा मार्ग हुये गठबंधन की राजनीति हो सकता है। आजम न तो अकेले बसपा में शामिल हों, न ही ओवैसी की पार्टी में समा जायें, बल्कि इन सबके बीच गठजोड़ का सूत्रधार बनें। मुस्लिम राजनीति के दल और कुछ छोटे नेताओं को वे मिलाकर एक साझा मंच खड़ा कर सकते हैं। इस तरह वह न सिर्फ अपने भविष्य को सुरक्षित करेंगे, बल्कि प्रदेश की सत्ता समीकरणों में महत्वपूर्ण कारक भी बन सकते हैं। वहीं यह भी हो सकता है कि आजम खान सक्रिय राजनीति से दूरी बनाकर खुद को एक बड़े मार्गदर्शक की भूमिका में ढालें और अपने बेटे को राजनीति में स्थापित करें। आजम की उम्र अब उस पड़ाव पर है जहां लंबे संघर्ष के बाद एक वरिष्ठ नेता के रूप में वह अपनी परंपरा और अनुभव को युवा चेहरों तक पहुंचा सकते हैं। मगर आजम खान की अब तक की राजनीति को देखकर लगता है कि वह इतनी जल्दी राजनीतिक जीवन से संन्यास नहीं लेंगे। वैसे एक विकल्प कांग्रेस के साथ जाने का भी है, उसके साथ जाकर आजम इंडिया गठबंधन के हिस्सेदार बन सकते हैं।

आजम की खामोशी, दरअसल बहुत कुछ बयां कर रही है। जेल से बाहर आने के बावजूद उन्होंने तुरंत कोई राजनीतिक बयान नहीं दिया। यह हो सकता है कि वह देखना चाह रहे हों कि समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव की तरफ से उन्हें किस तरह का संकेत मिलता है। अगर सपा लंबे समय तक खामोश रहती है, तो वह मजबूर होकर नया रास्ता तलाश सकते हैं। वर्तमान दौर में उत्तर प्रदेश की राजनीति मुख्यतः भाजपा और सपा के बीच सीमित होकर रह गयी है। मायावती की पार्टी कमजोर हुई है और कांग्रेस प्रभावहीन। ऐसे में आजम खान अपने विकल्पों को जिस दिशा में ले जायेंगे, वह सिर्फ उनकी ही राजनीति तय नहीं करेगी, बल्कि प्रदेश के चुनावी समीकरणों पर भी असर डालेगी। अगर वह सपा से दूर होकर नया रास्ता अपनाते हैं, तो भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठजोड़ की मजबूती या कमजोरी दोनों में उनकी भूमिका अहम रहेगी। फिलहाल, आजम खान की रणनीति इंतजार और नजर रखने वाली लग रही है। वह यह समझना चाह रहे हैं कि मौजूदा समय में कौन सा रास्ता उन्हें ज्यादा सियासी फायदा देगा और उन्हें उनकी पुरानी सियासी ताकत दिला सकता है। अगले कुछ महीनों में यह साफ हो जाएगा कि आजम खान किस राह पर चलेंगे, लेकिन इतना तय है कि उनकी मौन साधना ने प्रदेश की राजनीति को एक नई बेचैनी और चर्चा का विषय जरूर दे दिया है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य आयोजन 25 सितंबर को

भिलाई। खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता-2025 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्घाटन सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में होगा। उद्घाटन समारोह गुरुवार 25 सितंबर 2025 को दोपहर 12 बजे भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 भिलाई दुर्ग में आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग (ग्रामीण) विधायक ललित चंद्राकर करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, भिलाई विधायक देवेंद्र यादव और जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे उपस्थित रहेंगी। ज्ञात हो कि राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का प्रदर्शन होगा। जिसमें फेंसिंग, नेटबॉल, ट्रैक साइक्लिंग, लॉन टेनिस, जूडो और टेबल टेनिस जैसे रोमांचक खेल शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं में राज्य भर के युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग दुर्ग द्वारा उक्त क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

विकास कार्य हेतु 11 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए निर्माण कार्य के लिए 11 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। सांसद विजय बघेल द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यो का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दुर्ग द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड दुर्ग अंतर्गत ग्राम रिसामा के मुक्तिधाम में वर्क शेड/कॉमन कवर्ड सिटिंग एरिया व शेड निर्माण हेतु 3 लाख रूपए तथा ट्यूब वेल व बोर वेल लगवाने, वेल्डिंग शॉप बोर से चिरपोटी तक पाइप लाईन और टंकी स्थापना हेतु 3 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार ग्राम उमरपोटी लोकनगर में लिंक रोड, पाथ-वे, सीसी रोड तथा चंद्रनगर में लिंक रोड, पाथ-वे, सीसी रोड निर्माण हेतु 2.50-2.50 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

दुर्ग में संभाग स्तरीय काव्य-पाठ प्रतियोगिता 26 सितंबर को

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती 2025-26 के उपलक्ष्य में संभाग स्तरीय काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन 26 सितम्बर 2025 दिन शुक्रवार को पूर्वान्ह 10.00 बजे, विवेकानंद सभागार पद्मनाभपुर, उतई रोड दुर्ग में किया जा रहा है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिभागियों का गुगल फार्म में पंजीयन होना अनिवार्य है। जिन प्रतिभागियों का गुगल फार्म में पंजीयन होगा, वहीं प्रतिभागी आयोजन में भाग ले सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागी गुगल लिंक से अपना पंजीयन कर सकते हैं।

नवरात्रि पर मुख्यमंत्री साय ने दुर्ग को दी बड़ी सौगात दो महतारी सदन भवन का किया वर्चुअल लोकार्पण

सांसद विजय बघेल ने प्रतीकात्मक रूप से फीता काटकर भवन का किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज वर्चुअल माध्यम से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में निर्मित 51 महतारी सदनों का लोकार्पण किया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से दुर्ग जिले को विकास की एक बड़ी सौगात मिली है। जिले में स्वीकृत 9 महतारी सदनों में से नगपुरा और निकुम स्थित भवनों का आज वर्चुअल शुभारंभ किया गया।

नगपुरा में निर्मित महतारी सदन का कुल क्षेत्रफल 2507 वर्गफीट है, जिसमें कार्यालय, दुकान, किचन, स्टोर रूम और शौचालय जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर सांसद श्री विजय बघेल ने प्रतीकात्मक रूप से फीता काटकर भवन का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके अनुभव साझा किए। दुर्ग जिले के जय बजरंग महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती हेमलता साहू से टू-वे कम्युनिकेशन के माध्यम से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने उनकी आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली। श्रीमती साहू ने बताया कि समूह गाय, बकरी पालन और वर्मी कम्पोस्ट निर्माण जैसे कार्यों में संलग्न है। उन्होंने महतारी सदन मिलने पर आभार व्यक्त करते हुए बताया कि पहले उन्हें बैठक और प्रशिक्षण के लिए पेड़ की छांव में बैठना पड़ता था, लेकिन अब यह सभी कार्य भवन के भीतर आसानी से हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने सभी महिला समूहों को बधाई देते हुए कहा कि यह महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नवरात्रि जैसे पावन पर्व पर दुर्गवासियों को महतारी सदन के रूप में एक बहुमूल्य उपहार प्राप्त हुआ है, जो मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान सांसद विजय बघेल, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा एवं ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने महतारी सदन परिसर में आम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। साथ ही, उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच श्लखपति दीदीयोंश् को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, कलेक्टर अभिजीत सिंह, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे, उप संचालक पंचायत आकाश सोनी, जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जनपद सीईओ रूपेश पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा जेके मेश्राम, जिला पंचायत सदस्य प्रिया साहू, बिहान से सुनिल शर्मा, अमर सिंह, बड़ी संख्या में उपस्थित महिला स्व सहायता समूह और लखपति दीदी सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने सरस्वती साइकिल योजना के तहत 55 छात्राओं को किया साइकिल वितरण

दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने मंगलवार को सरस्वती साइकिल योजना के तहत तिलक उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला में 55 छात्राओं को साइकिल वितरण किया। उन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को सम्मानित किया। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार शासकीय विद्यालयों के छात्रों के भविष्य गढ़ने में तत्पर है। गुजरात मॉडल की तरह छत्तीसगढ़ में भी सेटेलाइट के माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी। जिससे विद्यालय में विषय शिक्षकों की कमी दूर हो सकेगी एवं छात्र-छात्राओं को शिक्षा का बेहतर लाभ मिल सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व काल की तरह पुन: प्राथमिक कक्षाओं में बारहखडी का अभ्यास कराया जाए, जिससे बच्चे भाषा का बेहतर ज्ञान प्राप्त कर सके। साथ ही गणितीय संक्रियाओं को भी बेहतर तरीके से समझाने हेतु प्रयास किए जाए। मंत्री श्री यादव ने बताया कि उन्होंने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा तिलक कन्या विद्यालय से ही दी हैं अत: इस विद्यालय से उनका भावनात्मक संबंध रहा है। उन्होंने कहा विद्यालय के लिए मांगने की आवश्यकता नहीं है मुझे जो बेहतर लगेगा विद्यालय के लिए करूंगा। मंत्री यादव ने प्राचार्य की मांग के अनुसार अत्याधुनिक डोम तैयार करने की घोषणा की। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी और कहा कि अभाव से अच्छा सीखने का और कोई माध्यम नहीं हो सकता। सभी सुविधाएं देने पर सीखने की गति कम होती है अत: बच्चे पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें। छत्तीसगढ़ शासन शैक्षणिक सुविधाओं की पूर्ति के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

सीनियर नेशनल बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए छत्तीसगढ़ की टीमें घोषित, तमिलनाडू में प्रतियोगिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 71वीं सीनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता 24 सितंबर से 28 सितंबर 2025 तक डिंडीगुल तमिलनाडु में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की सीनियर पुरुष एवं महिला टीम भी हिस्सा लेगी। छत्तीसगढ़ टीम का कोचिंग कैंप भिलाई के बॉल बैडमिंटन खेल परिसर सेक्टर 4 में 15 सितंबर से 22 सितंबर 2025 तक आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ से 14 पुरुष और 14 महिला खिलाड़ी शामिल थे। कोचिंग कैंप में शानदार प्रदर्शन करने वाले 10 पुरुष और 10 महिला खिलाड़ियों चयन प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव वाय राजा राव ने बताया कि यह प्रतियोगिता भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ एवं तमिलनाडु बॉल बैडमिंटन संघ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की जा रही है. इस प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों एवं पांच पब्लिक सेक्टर की टीमें में भाग ले रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ट्रैकसूट प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ के कार्यकारी अध्यक्ष इसरार अहमद खान, महासचिव वाय. राजा राव, कोषाध्यक्ष, श्यामल बनर्जी, बॉल बैडमिंटन संघ के सभी पदाधिकारी ने टीम को शुभकामनाएं दी।

छत्तीसगढ़ की टीमें

महेश कुमार कसान भिलाई इस्पात संयंत्र, नरेंद्र कुमार, त्रिलोक धमतरी, विभांशु धृतरा लहरें गरियाबंद, राहुल कुर्रे महासमुंद, भावेश सिंह व गीतांशु साहू भिलाई इस्पात संयंत्र, भूषण साहू, कुणाल साहू व सुयश मेश्राम दुर्ग से शामिल हैं। टीम मैनेजर मोहन राव व कोच रणविजय, भिलाई इस्पात संयंत्र होंगे।

रिया तिवारी कसान, क्षमा निधि, प्रतिक्षा भल्लवी, लता साहू, मीरा साहू सभी कबीरधाम, फ्लक परवीन भिलाई इस्पात संयंत्र, चेतन साहू दुर्ग, वृंदावती कश्यप बस्तर, लक्ष्मी चंद्राकर, दामिनी वर्मा महासमुंद शामिल हैं। टीम के कोच इसरार अहमद खान दुर्ग व मैनेजर रिचा तिवारी दुर्ग होंगी।

पीसेगांव शिवनाथ नदी पर माकड्रिल 25 सितंबर को

दुर्ग। जिले के सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिला दुर्ग के संयुक्त तत्वाधान में 25 सितंबर 2025 दिन गुरुवार, समय-सुबह 9.00 बजे महमरा एवं पीसेगांव जिला दुर्ग में शिवनाथ नदी गुरुद्वारा के पास बाढ़ आपदा पर मॉक ड्रिल आयोजित किया जायेगा। यह मॉक ड्रिल आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने तथा जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। कृपया ध्यान दे कि यह केवल एक प्रशिक्षण प्रकिया है, और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। नागरिक अभ्यास के दौरान शांति बनाए रखे तथा किसी भी प्रकार की भी घबराहट से बचे। अफ्वाहों से बचे तथा दूसरों को सही जानकारी प्रदान करे। सभी नागरिक इस महत्वपूर्ण मॉक ड्रिल में प्रशासन का पूरा सहयोग करे। नागरिकों का सहयोग इस मॉक ड्रिल को सफ्ल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रदेश का सबसे बड़ा सेवा पंडाल, भक्तों के लिए विशेष इंतज़ाम, पहले दिन पहुंचे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नवरात्र महोत्सव के पावन अवसर पर सार्वजनिक श्री दुर्गा समिति, खुर्सीपार द्वारा इस वर्ष भी प्रदेश का सबसे बड़ा सेवा पंडाल भव्य रूप से सजाया गया है। यह आयोजन 22 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक चलेगा। नगर निगम भिलाई के उप नेता प्रतिपक्ष और बोल बम सेवा समिति के संस्थापक दया सिंह की पहल पर हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं और पदयात्रियों के लिए विशेष सेवा व्यवस्था की गई है।

नवरात्रि के प्रथम दिन ही वरिष्ठ भाजपा नेता और प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक सेवा पंडाल पहुंचे और मां दुर्गा के दर्शन किए। उन्होंने दया सिंह एवं समिति की सेवा भावना की सराहना की और श्रद्धालुओं के साथ मिलकर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे परिवार सहित सेवा पंडाल पहुंचकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों का लाभ उठाएं और मां दुर्गा की आराधना में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

सेवा पंडाल में आने वाले भक्तों के लिए निशुल्क जलपान, भोजन, प्राथमिक चिकित्सा, गर्म पानी और मोबाइल चार्जिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। समिति का कहना है कि यह पंडाल केवल सेवा का केंद्र नहीं बल्कि भक्ति और सांस्कृतिक माहौल का संगम बनेगा। दया सिंह ने बताया कि सेवा पंडाल खुर्सीपार, जीई रोड, धर्मकाटा के सामने लगाया गया है। दिनभर सेवा और शाम को विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था की जाएगी।

विशेष आकर्षण

- नवरात्र के दौरान धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला भी आयोजित होगी।
- 25 सितम्बर को जबलपुर से आए सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रो. नीतू बुंदेला माँ विद्याधाम देवी जागरण की भक्ति संध्या प्रस्तुत करेंगे।
- 27 सितम्बर को गरियाबंद की सांस्कृतिक कला मंच टीम रंग सरोवर का आयोजन करेगी।
- 29 सितम्बर को डोंडी लोहारा (बालोद) की छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक संस्था लोक सिरजन सांस्कृतिक प्रस्तुति देगी, जिसका संचालन संतोष देशमुख करेंगे।

नक्सल प्रभावित कांकेर से 40 आदिवासी युवा 'भारत दर्शन' पर रवाना

■ सीमा सुरक्षा बल व नेहरू युवा केंद्र की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नक्सल प्रभावित अंचल के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें राष्ट्र की सांस्कृतिक एवं सामाजिक विविधता से अवगत कराने के उद्देश्य से सीमा सुरक्षा दल (बीएसएफ) और नेहरू युवा केंद्र संगठन की ओर से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी कड़ी में 17वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत कांकेर जिले से चुने गए 40 आदिवासी छात्र-छात्राओं का जत्था रविवार को 'भारत दर्शन' यात्रा पर रवाना हुआ। यह जत्था उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित कई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण करेगा।

कार्यक्रम के तहत रवाना किए गए इन युवाओं का चयन कांकेर और आसपास के अति नक्सल प्रभावित इलाकों से किया गया है। आयोजकों का मानना है कि ऐसे शैक्षिक और सांस्कृतिक अनुभव से आदिवासी युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे व्यापक राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को समझते हुए नई सोच और दिशा के साथ समाज में अपनी भूमिका निभा सकेंगे। यात्रा का शुभारंभ सीमा सुरक्षा दल और माय भारत (नेहरू युवा केंद्र संगठन) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस मौके पर सीमा सुरक्षा दल के अधिकारियों ने कहा कि आदिवासी युवा समाज की धड़कन हैं और इन्हें देश की सांस्कृतिक, शैक्षिक और प्रौद्योगिकीगत प्रगति से जोड़ना बेहद जरूरी है।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से निकलने वाले इन युवाओं की सोच और दृष्टिकोण में बदलाव लाना ही इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है। 'भारत दर्शन' यात्रा के दौरान ये छात्र लखनऊ में विभिन्न ऐतिहासिक धरोहरों, स्मारकों और सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन करेंगे। इसके अलावा, उन्हें राज्य की प्रशासनिक और शैक्षिक संस्थाओं से भी रूबरू कराया जाएगा। कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी के अनुसार, छात्रों को लखनऊ के अलावा अन्य प्रमुख स्थलों पर भी ले जाया जाएगा, ताकि वे देश की विविधता और विकास की वास्तविक तस्वीर को करीब से देख सकें।

इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र संगठन के अधिकारियों ने कहा कि युवाओं को सकारात्मक दिशा में अग्रसर करने और उनमें राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत करने के लिए इस प्रकार की यात्राएं एक प्रभावी माध्यम साबित होती हैं। उन्होंने बताया कि अब तक हजारों आदिवासी युवा इस कार्यक्रम का हिस्सा बन चुके हैं और अपने अनुभवों से प्रेरित होकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि यह कार्यक्रम केवल यात्रा भर नहीं है, बल्कि युवाओं के लिए आत्मविकास, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण की ओर एक सशक्त कदम है। खासकर उन क्षेत्रों में, जहां वर्षों से नक्सलवाद ने विकास की धारा को प्रभावित किया है, वहां इस प्रकार की पहल नई आशा जगाने वाली है।

छात्रों और उनके परिजनों में भी इस यात्रा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। यात्रा पर रवाना होने से पहले युवाओं ने कहा कि वे पहली बार छत्तीसगढ़ से बाहर जाकर देश की राजधानी लखनऊ जैसी जगहों को देखने और सीखने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं। उनका मानना है कि इस अनुभव से न केवल उनके दृष्टिकोण का विस्तार होगा बल्कि वे समाज और देश की सेवा के लिए और अधिक प्रेरित होंगे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

प्रोजेक्ट दक्षः हम होंगे स्मार्ट, कर्मचारियों को मिल रहा डिजिटल दक्षता का प्रशिक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप प्रोजेक्ट दक्ष जिले के शासकीय कार्यों को नई दिशा और गति प्रदान कर रहा है। इस पहल से अधिकारी-कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं।

कलेक्टोरेट स्थित बीपीओ मल्टीलेवल पार्किंग में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में धरसीवां ब्लॉक के प्राइमरी स्कूल के प्रधानपाठकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर और मोबाइल के मूल उपयोग, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल डॉक्यूमेंट प्रबंधन, ईमेल तथा अन्य आवश्यक ऑनलाइन टूल्स की जानकारी दी गई। प्रोजेक्ट दक्ष का उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है। इस प्रयास से शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली और अधिक सरल, पारदर्शी एवं स्मार्ट बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

प्रोजेक्ट धड़कनः आंगनबाड़ी और शासकीय स्कूलों में निःशुल्क हृदय जांच जारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत जिले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साईं हॉस्पिटल के सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 03 सुभाष चन्द्र बोस वार्ड बिरगांव में 17 बच्चों की जांच की गई। जिसमें 07 छात्र एवं 10 छात्राएं शामिल रही एवं आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 04 दुर्गा नगर बिरगांव में 20 बच्चों की स्क्रीनिंग किया गया जिसमें 07 छात्र एवं 13 छात्राएं शामिल रहे 7 इनमें से किसी भी बच्चे में जन्मजात हृदय रोग के लक्षण नहीं पाए गए। शिविर के दौरान बच्चों की जांच तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर में नीलापन, बार-बार सर्दी-खांसी, सांस लेने में तकलीफ, तथा स्तनपान के समय पसीना आने जैसे लक्षणों के आधार पर की गई।

लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल घासी घसिया समाज के नुआखाई मिलन समारोह में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में घासी घसिया समाज द्वारा आयोजित नुआखाई मिलन समारोह में लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भाग लेकर समाज के भाई-बहनों से मिलकर अपनी खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर सांसद ने समाज की समृद्ध परंपराओं, मेहनत और संस्कृति की सराहना की। उन्होंने कहा कि नुआखाई पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि यह मेहनतकश समाज की आस्था, श्रम और परंपरा का प्रतीक है। नुआखाई का पर्व मुख्यतः कृषि प्रधान समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पर्व नए अनाज के स्वागत और उसकी कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि इस पर्व से हमें सामूहिकता, भाईचारा और सामाजिक एकता का संदेश मिलता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने प्राकृतिक संसाधनों और मेहनत करने वालों का सम्मान करना चाहिए और यही संदेश नुआखाई हमें देता है। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा और महिला सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उन्होंने नुआखाई के पारंपरिक रीति-रिवाजों, गीतों और नृत्यों का आनंद लिया। सांसद ने समाज के सदस्यों को नुआखाई पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन हमारी संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को संजोए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने बच्चों और युवाओं को इस प्रकार की सांस्कृतिक और पारंपरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें, ताकि हमारी सांस्कृतिक धरोहर आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित और जीवित रहे। उन्होंने कहा कि नुआखाई केवल कृषि और अनाज का उत्सव नहीं, बल्कि यह हमारे सामाजिक जीवन में भाईचारे, सहयोग और कृतज्ञता की भावना को भी बढ़ावा देता है। समारोह के अंत में सांसद ने समाज के सभी सदस्यों के साथ मिलकर नुआखाई का स्वागत किया और उनके उत्साह में शामिल होकर एकजुटता का प्रतीक प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सामूहिक सहयोग को मजबूत करते हैं।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली समय-सीमा की बैठक, कार्यों की ली विभागवार जानकारी

राजस्व, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले के विकास कार्यों, प्रशासनिक योजनाओं और लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने मेरा गांव, मेरी पहचान नवाचार परियोजना के तहत अधिकारियों को आवंटित ग्रामों की नियमित निगरानी और दौरा सुनिश्चित करने तथा ग्रामीणों की योजनाओं का लाभ लेने प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए डॉ. सिंह ने सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को लंबित राजस्व प्रकरणों का त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा माताओं को लाभान्वित करने पर जोर दिया। उन्होंने मितानिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय स्थापित करने और

आंगनबाड़ी केन्द्रों में आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश भी दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान डॉ. सिंह ने बीएमओ, बीपीएम एवं जिला सलाहकारों से स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और आमजन को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाएं शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर कलेक्टर सुश्री नम्रता जैन (आईएएस), सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन सहित जिले के सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डीजे पर रात 10 बजे के बाद पूर्ण प्रतिबंध, गरबा आयोजन के लिए निगम से लेनी होगी अनुमति

आगामी गरबा उत्सव को लेकर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला पंचायत कार्यालय के सभागार में गरबा उत्सव समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीएम उमाशंकर बंदे ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग धीमी ध्वनि में किया जाए तथा कोलाहल अधिनियम का पालन सुनिश्चित किया जाए। डीजे का उपयोग रात 10 बजे के बाद पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। गरबा समितियां यातायात व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए स्वयंसेवकों की नियुक्ति करें तथा सुरक्षा एवं पार्किंग की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। एएसपी लखन पटले ने कहा कि ऐसे आयोजनों के लिए नगर निगम से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। साथ ही बिजली विभाग, अग्निशमन विभाग एवं संबंधित थाना प्रभारी से भी अनुमति प्राप्त कर सूचना देना आवश्यक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आयोजक गरबा में बजने वाले गीतों का विशेष ध्यान रखें। ऐसे गीत या संगीत का प्रयोग न किया जाए जिससे किसी की धार्मिक भावना आहत हो। इस अवसर पर एसडीएम नंदकुमार चौबे सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति अब मोबाइल एप से होगी दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, अनुशासित एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। विभाग ने विद्या समीक्षा केन्द्र के अंतर्गत शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए एक विशेष मोबाइल एप्प विकसित किया है। यह एप्प अब गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है और इसे प्रत्येक शिक्षक द्वारा डाउनलोड कर पंजीयन करना तथा प्रतिदिन अपनी उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। इस व्यवस्था से शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड वास्तविक समय पर उपलब्ध रहेगा, जिससे विद्यालयीन अनुशासन और शिक्षा की गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय सुधार होगा।

मंत्री स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य विभाग, छत्तीसगढ़ शासन गजेंद्र यादव ने 4 सितम्बर को आयोजित समग्र शिक्षा की समीक्षा बैठक में इस एप्प को तत्काल लागू करने के निर्देश दिए थे। हाल ही में मंत्रीजी गुजरात अध्ययन दौरे पर भी गए, जहाँ उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु अपनाई जा रही तकनीकी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। गुजरात मॉडल से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ में भी आधुनिक तकनीक आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू करने पर बल दिया।

छत्तीसगढ़ का यह एप्प गुजरात की व्यवस्था से भी अधिक उन्नत है, क्योंकि इसमें जियो-फेंसिंग फीचर शामिल किया गया है। इस तकनीक के माध्यम से शिक्षक तभी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं जब वे विद्यालय के निश्चित दायरे में उपस्थित हों। इससे यह सुनिश्चित होगा कि उपस्थिति केवल स्कूल परिसर के भीतर से ही दर्ज हो। गुजरात में प्रयुक्त एप्प में यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण वहाँ कई बार शिक्षकों द्वारा घर से ही उपस्थिति दर्ज करने जैसी गड़बड़ियाँ सामने आती थीं। छत्तीसगढ़ शासन ने इस अनुभव से सीख लेते हुए इस एप्प को और अधिक सुरक्षित तथा विश्वसनीय बनाया है।

इस संदर्भ में जिला शिक्षा अधिकारियों महासमुंद, बेमेतरा, दंतेवाड़ा, सूरजपुर एवं रायगढ़ को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने जिलों में इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें और सभी विद्यालयों के शिक्षकगण को एप्प के प्रयोग हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करें। यह नई व्यवस्था न केवल उपस्थिति प्रणाली को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाएगी, बल्कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और विद्यालयीन गतिविधियों की निगरानी भी सरल और प्रभावी होगी।

प्रोजेक्ट दधीचि : प्राचार्य जानकी ज्योति वर्मा ने लिया संपूर्ण देहदान का संकल्प

जिले में अब तक 40 से अधिक लोगों ने किया अंगदान, देहदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत अभनपुर ब्लॉक के ग्राम टेकारी स्थित शासकीय विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती जानकी ज्योति वर्मा ने संपूर्ण देहदान का संकल्प लेकर समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका कहना है कि वे मरणोपरांत मेडिकल के छात्रों की पढ़ाई में काम आना चाहती हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुसार जिले में प्रोजेक्ट दधीचि का संचालन किया जा रहा है, जिसके तहत आमजन स्वेच्छा से आगे आकर अपनी भागीदारी दे रहे हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने श्रीमती वर्मा को इस मानवीय निर्णय के लिए शॉल, प्रेरक पुस्तक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

श्रीमती वर्मा ने कहा की मैं स्वयं बायोलॉजी की व्याख्याता हूँ और वर्षों से छात्रों को पढ़ाती रही हूँ। कई बार वे कहते थे कि उन्हें प्रैक्टिकल के लिए अधिक बॉडी उपलब्ध हो तो विषय की समझ

और बढ़ जाएगी। इसी कारण मैंने देहदान का संकल्प लिया है। मैं सभी से अपील करती हूँ कि वे भी आगे आएँ और जिला प्रशासन की इस पहल से जुड़कर देहदान और अंगदान के लिए संकल्प लें।

कलेक्टर डॉ. सिंह के मार्गदर्शन में संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के माध्यम से अब तक 40 से अधिक लोगों ने अंगदान एवं देहदान कर जीवनदान के प्रतीक बन चुके हैं। इस योजना का उद्देश्य समाज में अंगदान और देहदान के प्रति जागरूकता फैलाना और भ्रांतियों को दूर करना है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने आमजनों से अपील की कि वे भी इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें और जरूरतमंदों के लिए जीवन की नई उम्मीद बनें। इस अवसर पर एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रोजेक्ट आओ बांटें खुशियां : बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, कर्मचारियों के जन्मदिन बने यादगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले में शासकीय कर्मचारियों के जन्मदिन अब केवल व्यक्तिगत आयोजन नहीं रह गए हैं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुसार प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित प्रोजेक्ट आओ बाँटें खुशियाँ का उद्देश्य ही है-खुशियों को बाँटना, और इस पहल को शासकीय कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अपना रहे हैं।

इसी क्रम में महाप्रबंधक उद्योग हेमेश देवांगन ने आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-4, भाटागांव में, सहायक शिक्षक हरिश्चंद्र साहू ने शासकीय प्राथमिक शाला भुरका में, और ग्राम पंचायत परसदा के सचिव लकेश्वर तारक ने आंगनबाड़ी केंद्र परसदा में अपने जन्मदिन के अवसर पर नन्हे बच्चों के साथ केक काटकर, फल और पौष्टिक आहार वितरित कर इस दिन को विशेष बनाया।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा जन्मदिन की पूर्व संध्या पर 12 कर्मचारियों को ई-कार्ड और एसएमएस के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित कर उन्हें सामाजिक सरोकार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

बाबा दरबार धनोरा में 177 मनोकामना ज्योति प्रज्वलित, प्रतिदिन हो रहे माता सेवा भजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में हर साल कुंवार एवं चैत्र नवरात्रि दोनों पर्व पर भक्तों द्वारा मनोकामना पूर्ण ज्योति कलश प्रज्वलित किया जाता है। इस वर्ष भी कुंवार नवरात्रि पर्व पर बाबा दरबार धनोरा में 177 मनोकामना ज्योति प्रज्वलित किया गया है। इस दरबार में सभी जिलों एवं विदेशी श्रद्धालुओं द्वारा भी मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किया गया है। जैसे मोहला, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव, धमतरी, रायपुर, दुर्ग, चिचोला, बेमेतरा, भाटापारा, अमेरिका, नागपुर, महाराष्ट्र, लंदन और इंग्लैंड से भी मां के भक्तों ने बाबा दरबार में ज्योति प्रज्वलित किया गया है।

22 सितंबर को दोपहर 12 बजे दरबार के लक्ष्मण बाबा एवं पंडित विनय शर्मा द्वारा विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना कर किया गया तत्पश्चात नंद पंडा द्वारा चकमक पत्थर से ज्योति प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे। विनोद साहू, राजू यादव, मनसुखा साहू, मनोज पटेल, रोमनाथ साहू, बबलू, गज्जू रायपुरीहा, भोलू, खिलेशवर,

जीवराखन ठेकेदार, एम लाल देवांगन, मारियल साहू, वासुदेव स्प्रे, मुनना गंधर्व, सुनील पेंटर, योगेश साहू, रुपलाल साहू, सुन्दर सप्रे, बाबु लाल साहू, श्रीमती बबिता साहू, ललिता यादव, सुनीता साहू, हितेश पटेल, लक्ष्मी साहू, कौशिल्या सेन, रुखमणि साहू, पार्वती मंडलिन, प्रभा साहू, कु. पुजा, कु. शुरुचि, कु. बेदू साहू, कु. नेहा. संगीता सप्रे उपसरपंच आदि भक्तगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बाबा दरबार धनोरा के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि 27 सितंबर शनिवार को दरबार में पंचमी कलश चढ़हावा शाम 7 बजे तक होगा इसके पश्चात् माता रानी की आरती और पंचमी के दिन जोभी भक्तगण इस आरती में शामिल होना चाहते हैं वे अपने-अपने घर से आरती की थाल सजाकर शामिल हो सकते हैं। प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से गुलाब साहू एवं हेमंत साहू की मंडली द्वारा माता सेवा भजन का आयोजन किया जा रहा है। दरबार में माता सेवा जस गीत सुनने बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। दरबार प्रति निधी चन्द्रकांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू ने यह जानकारी दी है।

प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए संजीवनी बन रहा प्रोजेक्ट अनुभव, युवाओं को दिए सफलता के मंत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में रायपुर जिले में संचालित प्रोजेक्ट अनुभव युवा प्रतिभाओं के लिए नई दिशा और ऊर्जा का स्रोत बनता जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को योग भवन, पुंडहर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए एक विशेष कक्षा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भूमिका एवं महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने व्यक्तिगत प्रशासनिक अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को परीक्षा में

रणनीति, समय प्रबंधन और प्रभावी अध्ययन तकनीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया। प्रोजेक्ट अनुभव के अंतर्गत जिले में पदस्थ अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी प्रतियोगी परीक्षार्थियों को विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को लाभ मिल रहा है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड फेम साहेर बंबा ने बताया आर्यन खान के साथ काम करने का अनुभव

अभिनेत्री साहेर बंबा ने हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अपने अनुभवों को साझा किया है। इस सीरीज में वह करिश्मा तंवर का किरदार निभा रही हैं। इस शो में उनका सबसे खास अनुभव आर्यन खान के साथ काम करना था। आर्यन खान बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे हैं और उन्होंने निर्देशक के रूप में अपनी शुरुआत की है। साहर ने बताया कि आर्यन काफी मेहनती निर्देशक हैं।

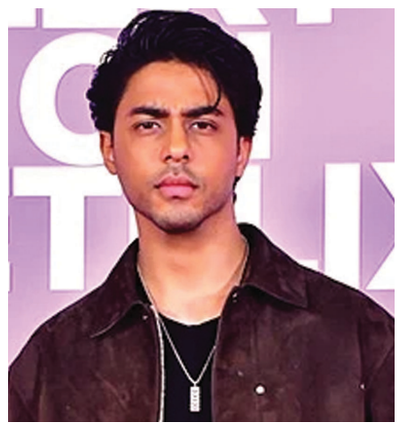

साहर ने कहा, आर्यन एक तरह से हार्ड टास्क मास्टर हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह एकदम सख्त हैं। वह कलाकारों से उनके बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं। वह केवल स्क्रिप्ट तक सीमित नहीं रहते, बल्कि कलाकारों को अपने किरदार की गहराई तक पहुंचने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके काम के प्रति लगाव और स्पष्ट सोच देखकर ऐसा लगता है कि वह किसी अनुभवी निर्देशक से कम नहीं हैं।

उन्होंने आगे कहा, निर्देशक के तौर पर आर्यन सेट पर पूरी तरह से उपस्थित रहते हैं और काम को लेकर उनका ध्यान हर छोटी से छोटी बात पर होता है। आर्यन के साथ काम करते हुए मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं एक नए निर्देशक के साथ काम कर रही हूं। बल्कि, ऐसा लगा जैसे मैं ऐसे निर्देशक के साथ काम कर रही हूं जो दशकों से इस क्षेत्र में है। सेट पर चाहे कितनी भी मुश्किलें क्यों न हों, आर्यन पूरी शांति से अपने काम को संभालते हैं और किसी भी परेशानी से घबराते नहीं हैं। उनकी यह स्थिरता पूरे सेट के लिए एक प्रेरणा की तरह होती है।

साहर ने बताया, आर्यन बहुत संवेदनशील और विचारशील व्यक्ति हैं। शूटिंग खत्म होने के बाद भी वह कलाकारों की परवाह करते हैं। वह कई बार शूटिंग खत्म होने के बाद कॉल करके पूछते थे कि कलाकारों को अपने सीन कैसे लगे, क्या वे अपने प्रदर्शन से खुश हैं या कोई सुधार चाहिए। यह छोटे-छोटे काम दिखाते हैं कि वह अपने कलाकारों की कितनी परवाह करते हैं। इस तरह का व्यवहार किसी भी कलाकार को आत्मविश्वास देता है। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

कृति शेट्टी ने वेस्टर्न आउटफिट में शेयर कीं दिलकश तस्वीरें, फैंस हुए खुश

कृति शेट्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने वेस्टर्न आउटफिट में कई जबरदस्त पोज दिए हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है अपने आपको बदल रही हूं। दो घंटे के अंदर ही कृति की तस्वीरों को 88 हजार से ज्यादा यूजर्स ने लाइक किया। एक यूजर ने उन्हें प्रपोज किया है। एक दूसरे यूजर ने उनके ड्रेस को हीरे का ड्रेस बताया है।

कृति ने साल 2019 में फिल्म सुपर 30 से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद वह तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में नजर आईं। वह जल्द ही तमिल फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी का हिस्सा होंगी।

एक भारतीय अभिनेत्री हैं जो मुख्य रूप से तेलुगु फिल्मों में दिखाई देती हैं। उन्होंने व्यावसायिक रूप से सफल फिल्म उप्पेना (2021) से अपनी शुरुआत की। उसने एक फिल्मफेयर अवार्ड साउथ और एक साईमा अवार्ड जीता है।

कृति शेट्टी का जन्म 21 सितंबर 2003 को मुंबई में हुआ था, मैंगलोर, कर्नाटक के एक तुलु परिवार में। उनके पिता एक व्यवसायी हैं और उनकी माँ एक फैशन डिजाइनर हैं। उसके दो भाई-बहन हैं, एक भाई और एक बहन। वह मुंबई में पली-बढ़ी और फ़रवरी 2021 के अनुसार, वह मनोविज्ञान पढ़ रही थी। अपने शिक्षाविदों के दौरान, उन्होंने व्यावसायिक विज्ञापनों में काम किया।

शिमला में पढ़ाई और फिर बालीवुड में एंट्री, रंजीता ने दीं जबरदस्त हिट

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री रंजीता आज 69 वर्ष की हो गईं। रंजीता का जन्म 22 सितंबर, 1956 को पंजाब में हुआ था। रंजीता के पिता सरकारी कर्मचारी थे। रंजीता की पढ़ाई शिमला के कॉन्वेंट ऑफजीसस एंड मैरी स्कूल में हुई। वैजयंती माला की फिल्म देखकर रंजीता ने बेहद कम उम्र में ही अभिनेत्री बनने का सपना देख लिया था।

10वीं पास करने के ही रंजीता पढ़ाई छोडकर पुणे चली गईं। यहां आकर उन्होंने फिल्म और टेलिविजन इंस्टीट्यूट से एक्टिंग का कोर्स किया। एक्टिंग का कोर्स पूरा करने से पहले ही रंजीता को फिल्म भी मिल गई। वर्ष 1976 में रंजीता ने लैला मजनू से अपना एक्टिंग डेब्यू किया।

पहली फिल्म में रंजीता को ऋषि कपूर के साथ काम करने का मौका मिला। इस फिल्म का गाना कोई पत्थर ना मारे मेरे दीवाने को बहुत हिट हुआ था। इसके बाद रंजीता की वर्ष 1978 में सुपरहिट फिल्म अंखियों के झरोखों से प्रदर्शित हुई। फिल्म में रंजीता का रोल बहुत इमोशनल था। रंजीता की दमदार एक्टिंग ने लोगों का दिल जीत लिया। इसी वर्ष उनकी सुपरहिट फिल्म पति पत्नी और वो भी प्रदर्शित हुई। रंजीता ने अपने समय के तमाम बड़े स्टार्स के साथ काम किया। रंजीता ने सबसे ज्यादा फिल्में मिथुन चक्रवर्ती के साथ कीं।

उन्होंने सुरक्षा, तराना, हमसे बढकर कौन, आदत से मजबूर, बाजी और घर एक मंदिर, गुनाहों का देवता जैसी फिल्मों में मिथुन चक्रवर्ती के साथ एक शानदार टीम बनाई। सत्ते पे सत्ता में उन्होंने अमिताभ बच्चन की नायिका की भूमिका निभाई। वर्ष 1990 में रंजीता ने राज मसंद से शादी कर ली। 1990 के दशक के मध्य में रंजीता कुछ टेलीविजन धारावाहिकों में दिखाई दीं और फिर अभिनय से दूर हो गईं। 15 साल बाद वह अंजाने दि अननोन (2005) में नजर आई। वर्ष 2011 में, वह सचिन के साथ जान पहचान में फिर से नजर आईं, जो अंखियों के झरोखों से का सीक्वल था। इसके बाद रंजीता ने वर्ष 2012 में जिंदगी तेरे नाम में मिथुन चक्रवर्ती के साथ काम किया।

मर्दानी-3 का नया पोस्टर जारी, शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में लौट रहीं अभिनेत्री रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी मर्दानी 3 में शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दोनों इंस्टालमेंट की सफलता के बाद मेकर्स ने तीसरे भाग की रिलीज की तारीख 27 फरवरी, 2026 को तय की है। नवरात्रि के पावन अवसर पर, मेकर्स ने मर्दानी 3 का नया पोस्टर जारी किया।

नवरात्रि के पहले दिन यशराज फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर मर्दानी 3 का नया पोस्टर जारी किया है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, नवरात्रि के पावन पहले दिन, बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाते हुए। रानी मुखर्जी अपने करियर के सबसे चैलेंजिंग केस की जांच करने के लिए मर्दानी 3 में टॉप पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में लौट आई हैं। मर्दानी 3 सिनेमाघरों में 27 फरवरी, 2026 को रिलीज होगी।

पोस्टर की बात करें तो पोस्टर में रानी का क्लोज-अप दिखाया गया है, जिसमें वह एक ब्लैक कलर रंग का गन पकड़े हुए नीचे की ओर इशारा करती हुई दिखाई दे रही हैं। ब्लर बैकग्राउंड में एक पीले रंग का पुलिस बैरिकेड दिखाई दे रहा है जिस पर दिल्ली पुलिस लिखा हुआ है। इस पोस्टर के साथ रानी मुखर्जी अच्छाई और बुराई के बीच एक नए युद्ध के लिए तैयार लग रही हैं। रानी मुखर्जी ने पहले खुलासा किया था कि यह रोमांचक फिल्म डार्क, जानलेवा और क्रूर होगा। इस खुलासे के बाद से फैंस के बीच बज बना हुआ है।

मर्दानी 3 का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। तीसरी इंस्टालमेंट में रानी की निडर पुलिसकर्मी शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में वापसी हुई है, जो न्याय के लिए लड़ती है। यशराज फिल्म्स की निर्मित मर्दानी हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी एकल महिला-प्रधान फ्रैंचाइजी है, जो 11 साल पहले शुरू हुई थी। इस फिल्म फ्रैंचाइजी ने अपनी दमदार कहानी के लिए तब से प्यार और प्रशंसा बटोरी है। इस ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी को लोगों का भरपूर प्यार मिला है और इसने सिनेमा प्रेमियों के बीच एक कल्ट का दर्जा हासिल कर लिया है।

2014 में रिलीज हुई मर्दानी का निर्देशन प्रदीप सरकार ने किया था। दूसरी किस्त का निर्देशन गोपी पुथ्रन ने किया था, जिन्होंने फिल्म फ्रैंचाइजी का पहला भाग लिखा था। जहां, मर्दानी मानव तस्करी की कहानी पर आधारित थी, वहीं 2019 में रिलीज हुई मर्दानी 2 एक मनोरोगी, बलात्कारी और हत्यारे की कहानी पर आधारित थी।

नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित हुए शाहरुख खान और रानी मुखर्जी

जिस पल का सबको इंतजार था, वो घड़ी अब आ चुकी है। शाहरुख खान को उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड दिया जाना है। यह खबर आने के बाद उनके फैन्स और पूरी फिल्म इंडस्ट्री में खुशी की लहर दौड़ गई है। अब बस उस पल का इंतजार खत्म हो गया है जब किंग खान ने अवॉर्ड को अपने हाथ में लया। फिल्म जवान ने बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़े और दुनियाभर में शानदार कमाई की थी। इस फिल्म में शाहरुख ने डबल रोल निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। उनके दमदार अभिनय, एक्शन और इमोशन्स ने यह साबित कर दिया कि वह सिर्फ रोमांस किंग ही नहीं, बल्कि हर किरदार में जान डालने वाले सुपरस्टार हैं। सुपरस्टार मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया है। यह अवॉर्ड भारतीय फिल्म जगत में आजीवन योगदान के लिए दिया जाता है। फिल्म जवान के लिए शाहरुख को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सम्मानित किया। उनके चेहरे की खुशी देखने लायक थी। शाहरुख को यूं ही नहीं किंग खान कहा जाता। उनके मंच पर आते ही वहां बैठे सभी लोग चियर करते दिखाई दिए। रानी मुखर्जी को बेस्ट एक्ट्रेस के 71वें नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें ये सम्मान दिया। रानी ने 'मिसेज चैटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में दमदार भूमिका निभाई थी, जिसके लिए उन्हें ये सम्मान दिया गया। रानी-शाहरुख के अलावा एक्टर विक्रांत मैसी को भी बेस्ट एक्टर के सम्मान से नवाजा गया। एक्टर्स को अवॉर्ड मिलता देख हर कोई उत्साहित हो उठा, पूरा विज्ञान भवन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

सीरम इस्तेमाल करते समय लोग कर बैठते हैं ये 5 आम गलतियां

सीरम त्वचा की देखभाल का एक ऐसा उत्पाद है, जो सक्रीय सामग्री से लैस होता है। यह एक हल्का तरल पदार्थ होता है, जो त्वचा में गहराई तक प्रवेश करके झुर्रियों और दाग-धब्बों जैसी समस्याओं को ठीक करता है। सीरम में विटामिन-सी, हयालूरोनिक एसिड, रेटिनॉल और नियासिनमाइड जैसी सक्रीय सामग्रियां शामिल की जाती हैं। वैसे तो इसे इस्तेमाल करना बेहद आसान होता है, लेकिन इसे लगाते समय लोग ये आम गलतियां कर बैठते हैं।

मॉइस्चराइजर के बाद सीरम इस्तेमाल करना

सीरम के अधिकतम लाभ पाने के लिए उसे सही तरीके से इस्तेमाल करना होता है। हालांकि, ज्यादातर लोगों को यह पता ही नहीं होता। ऐसे में वे मॉइस्चराइजर लगाने के बाद उसके ऊपर सीरम लगा लेते हैं। मॉइस्चराइजर चिकनाई की परत बना देता है, जिसकी वजह से सीरम त्वचा में प्रवेश नहीं कर पाता। सीरम एक तरल उत्पाद है, जिसे केवल सूखी त्वचा पर लगाना चाहिए। चेहरे को साफ करें और इसे लगाने के 2-3 मिनट बाद मॉइस्चराइजर इस्तेमाल करें।

ड्रॉपर को त्वचा के पास लाना

सीरम ड्रॉपर वाली पैकेजिंग में उपलब्ध होते हैं। ज्यादातर लोग इसे लगाते समय ड्रॉपर को त्वचा के करीब ले जाते हैं। इससे वह त्वचा पर छूता है, जो नुकसानदायक हो सकता है। अपने सीरम को बैक्टीरिया और फंगल संदूषण से बचाने के लिए ड्रॉपर को चेहरे के नजदीक न ले जाएं। इसके बजाय सीरम को हथेली में निकालें और चेहरे पर लगा लें। सीरम के हाथों में अवशोषित होने की चिंता न करें, क्योंकि हाथों की त्वचा मोटी होती है।

बहुत ज्यादा सीरम लगाना

एक गलती जो हर कोई कर बैठता है, वह है बहुत ज्यादा सीरम इस्तेमाल करना। यह सक्रिय सामग्री से समृद्ध उत्पाद होता है, जिसे कम मात्रा में ही लगाना चाहिए। ज्यादा लगाने से रोमछिद्र बंद हो सकते हैं, मुंहासे हो सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है। आपको एक बार में केवल 2-3 बूंद सीरम ही लगाना चाहिए। सीरम में मौजूद सक्रीय सामग्री के आधार पर तय होगा की उसे हफ्ते में कितनी बार इस्तेमाल करना सही है।

सीरम को त्वचा पर रगड़ना

सीरम एक हल्का और तरल उत्पाद होता है, जो आसानी से त्वचा में अवशोषित हो जाता है। ऐसे में उसे त्वचा पर रगड़ना एक बड़ी गलती हो सकती है। यह कोई क्रीम आधारित उत्पाद नहीं है, जिसे आपको रगड़कर त्वचा में प्रवेश करवाना पड़ेगा। ऐसा करने से जलन पैदा हो सकती है और उत्पाद की बर्बादी भी हो सकती है। इसके बजाय सीरम को धीरे से थपथपाने हुए लगाएं, जिससे वह बेहतर तरीके से अवशोषित हो जाएगा।

एक साथ कई सीरम उपयोग करना

लोग सोचते हैं कि वे जितने ज्यादा सक्रीय सामग्री वाले सीरम लगाएंगे, उनकी उतनी ज्यादा त्वचा संबंधी समस्याएं हल हो जाएंगी। हालांकि, हकीकत इससे अलग होती है। एक साथ कई सीरम लगाने से जलन और मुंहासें होते हैं, रोमछिद्र बंद हो जाते हैं और उत्पाद प्रभावी नहीं रह जाते। अधिकतम 2 सीरम उपयोग करना ठीक है, ताकि आपकी त्वचा को किसी प्रकार का कोई नुकसान न हो। पहले सीरम के अच्छी तरह अवशोषित होने के बाद ही दूसरा लगाएं।

मुख्यमंत्री ने धमतरी जिले को दी 83 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात, कुरूद को नगरपालिका परिषद का दर्जा

करेली बड़ी में कॉलेज, करेली बड़ी और ग्राम खट्टी को मिलाकर नगर पंचायत और जी. जामगांव में नवीन आईटीआई सहित कई घोषणाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धमतरी जिले के कुरूद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम करेली बड़ी में आयोजित प्रदेश स्तरीय महतारी सदन लोकार्पण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने करेली बड़ी में मंच से राज्य के विभिन्न जिलों में नव निर्मित 51 महतारी सदनों का रिमोट से बटन दबाकर वर्चुअल शुभारंभ किया। इसके साथ ही ग्राम संपदा एप तथा मनरेगा की समग्र जानकारी आधारित नागरिक सूचना पोर्टल का भी शुभारंभ किया। इसके अलावा 'लखपति दीदी/महतारी सदन' और ''माँ अभियान'' पुस्तिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने धमतरी जिले को 83 करोड़ रुपये से अधिक की विकास सौगात दी। उन्होंने ग्राम करेली बड़ी में महाविद्यालय की स्थापना की घोषणा की। साथ ही कुरूद के जी. जामगांव में नवीन आईटीआई की स्वीकृति दी। ग्राम पंचायत करेली बड़ी और ग्राम खट्टी को मिलाकर नगर पंचायत का दर्जा प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने कार्यक्रम में नगर पंचायत कुरूद एवं भखारा में शहरी जल प्रदाय योजना का विस्तार 30 करोड़ रुपये की लागत से करने, भेण्डरी से बरोंडा एनीकट निर्माण हेतु 45 करोड़ रुपये की स्वीकृति देने, नगर पंचायत कुरूद को नगरपालिका परिषद का दर्जा प्रदान करने और कुरूद नगर पंचायत में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 2 करोड़ रुपये, नगर पंचायत भखारा के लिए डेढ़ करोड़ रुपये तथा खट्टी एनीकट मरम्मत हेतु 5 करोड़ रुपये की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भेण्डरी में गौरव पथ निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार रामलला दर्शन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना और महतारी वंदन योजना जैसी अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएँ संचालित कर रही है। नई औद्योगिक नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह की मंशा के अनुरूप मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद-मुक्त बनाने के संकल्प को भी दोहराया।

कार्यक्रम में मुंगेली से उप मुख्यमंत्री अरुण साव सहित अन्य जिलों के सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी वर्चुअल रूप से जुड़े। प्रदेशभर की लगभग दो लाख महिलाएँ इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुईं। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शित विकास कार्यों की प्रदर्शनी एवं स्टॉलों का अवलोकन किया और हितग्राहियों को सामग्री एवं चेक वितरित किए। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह ने महतारी सदन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मातृशक्ति को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों जशपुर (रेंगले), बेमेतरा (लिंझेवारा), मुंगेली (नवागांव) और दुर्ग (नगपुरा) की महिला समूहों से वर्चुअल संवाद किया और उन्हें महतारी सदन तथा नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अपने 19 महीने के संक्षिप्त कार्यकाल में मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृशक्ति को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अब समूह की महिलाएँ सिलाई-कढ़ाई, सब्ज़ी उत्पादन और स्वरोजगार प्रशिक्षण जैसे अनेक कार्य महतारी सदन में कर पाएँगी।

महतारी वंदन योजना से महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त हो रही -विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महतारी सदन के शुभारंभ की बधाई देते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार सतत कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना से महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और अटल डिजिटल सेवा केंद्र के माध्यम से राशि निकालने से लेकर अन्य सेवा सुविधाए गांवों में सुलभ हुई हैं। कार्यक्रम को जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा और सांसद रूपकुमारी चौधरी ने भी संबोधित किया। कुरूद विधायक अजय चन्द्राकर ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया।

पीएम सूर्यघर योजना से आत्मनिर्भर बना वनांचल निवासी सपन मंडावी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से मध्यम एवं गरीब वर्ग के परिवारों को महंगे बिजली के बिल से निजात दिलाया जा रहा है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से ग्रीन एनर्जी मिशन को बढावा देकर पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में मदद मिल रही है, साथ ही रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर बिजली योजना का लाभ आज जिले के दूरस्थ वनांचल तक भी पहुंच रही है। यह योजना अब जिले के सुदूर ग्रामीण परिवारों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है। इसी कड़ी में कोण्डागांव जिले के माकड़ी विकासखंड के ग्राम शामपुर निवासी सपन राम मंडावी

ने इस योजना का लाभ उठाकर अपने घर को न सिर्फ रोशन किया, बल्कि बिजली मामले में आत्मनिर्भर हो गया है।

सपन ने इस योजना को शासन की अत्यंत लाभकारी बताते हुए कहा कि इससे घरेलू बिजली उपभोक्ता न केवल ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर हो सकते हैं, बल्कि आर्थिक रूप से भी मजबूत बन सकते हैं। मंडावी को इस योजना के अंतर्गत कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिसमें केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये की सहायता शामिल है। इस मदद से सौर संयंत्र लगाने की कुल लागत में बहुत राहत मिली है। दूर दराज के क्षेत्र व ऐसे क्षेत्र जहां बिजली बहुत ज्;ादा आ रहा है, ऐसे लोगों को इस योजना का भरपूर फ़ायदा मिल रहा है।

जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का लाभ उठाने कई हितग्राही आगे आ रहे हैं और पंजीयन करा रहे हैं। इच्छुक उपभोक्ता इस योजना का लाभ विद्युत विभाग की मदद से या फिर वेब पोर्टल https://pmsuryaghar.gov.in और मोबाइल एप के माध्यम से पंजीकरण कर आसानी से उठा सकते हैं।

बिजली बिल से मिली मुक्ति

सपन मंडावी ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी सबसे पहले अखबार के माध्यम से मिली। जानकारी प्राप्त करने के बाद उन्होंने स्थानीय बिजली विभाग से संपर्क किया और अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया। इस पहल के बाद अब उनके घर की सभी बिजली की आवश्यकताएँ पूरी हो रही हैं और अतिरिक्त बिजली का उत्पादन भी हो रहा है। श्री मंडावी ने बताया कि पूर्व में हर महीने 400 से 500 रुपये तक बिजली बिल आता था, लेकिन अब उनका पूरा बिल शून्य हो गया है। इतना ही नहीं, उनके द्वारा उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा सीधे विद्युत ग्रिड में भेजी जा रही है, जिससे भविष्य में उन्हें अतिरिक्त आय का लाभ मिलेगा।

शासन से मिल रहा है डबल अनुदान

इस योजना के तहत विभिन्न क्षमता वाले संयंत्रों के लिए सब्सिडी की राशि तय की गई है। 1 किलोवाट के संयंत्र, जिसकी लागत लगभग 65 हजार रुपये होती है, जिस पर केंद्र सरकार 30 हजार और राज्य सरकार 15 हजार रुपये की सब्सिडी देती है। इसी प्रकार 2 किलोवाट क्षमता वाले संयंत्र पर 60 हजार रुपये की सहायता एवं 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता वाले प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर केंद्र से 78 हजार और राज्य से 30 हजार रुपये की अनुदान राशि मिलती है। इसके साथ ही किसानों और ग्रामीणों के लिए ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे और अधिक लोग इसका लाभ ले सकें।

राजकीय पशु के लिए बारनावापारा अभ्यारण्य बना अनुकूल, वन भैसों की संख्या बढ़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के उत्तरी भाग में स्थित है, बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य क्षेत्र में बेहतरीन और महत्वपूर्ण वन्यजीव अभयारण्यों में से एक है। बारनवापारा अभ्यारण्य क्षेत्र राजकीय पशु वन भैंसों के लिए अनुकूल साबित हो रहा है। यहां वन भैसों की संख्या 6 से बढ़कर 10 हो गई है।

वनमण्डलाधिकारी बारनवापारा अभ्यारण्य क्षेत्र ने बताया कि छत्तीसढ़ राज्य में राजकीय पशु वन भैंसा के संख्या में वृद्धि करने के उद्देश्य से राज्य वन्यप्राणी बोर्ड 2017 की बैठक में मानस टायगर रिजर्व असम से वन भैंसे लाकर छत्तीसगढ़ राज्य में चयनित स्थल बारनवापारा में रख कर संख्या वृद्धि किये जाने संबंधित अनुमति प्राप्त हुई थी। इस संबंध में भारत शासन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के द्वारा मानस टायगर रिजर्व से बारनवापारा अभ्यारण्य लाने की अनुमति प्राप्त हुई थी । असम राज्य से वर्ष 2020 में 1 नर एवं 1 मादा वनभैंसा तथा वर्ष 2023 में 4 मादा वनभैंसो को बारनवापारा अभ्यारण्य लाया गया जिसे बारनवापारा अभ्यारण्य के कोठारी परिक्षेत्र के अंतर्गत निर्मित 10 हेक्टेयर के बाड़े में रखा गया है। वनमण्डलाधिकारी ने बताया कि वर्ष 2024 में वनभैंसा संरक्षण एवं संवर्धन केन्द्र खैरछापर में राजकीय पशु वनभैसा मादा (मानसी) द्वारा एक नर बच्चा को एवं एक अन्य मादा वनभैंसा द्वारा एक मादा बच्चे को जन्म दिया गया था। वर्ष 2025 में 2 मादा एवं 1 नर बच्चा का जन्म हुआ है, जिनमें से एक मादा बच्चे की आकस्मिक मृत्यु हो गई है।

डिप्टी सीएम अरुण साव बोले-जल संचय और रिचार्जिंग सिस्टम के लिए शहरों में बुनियादी ढांचा विकसित करने की जरूरत

उप मुख्यमंत्री साव ने अर्बन एक्वीफर मैनेजमेंट पर आयुक्तों, सीएमओ और अभियंताओं के तीन दिवसीय प्रशिक्षण को किया संबोधित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने पं. दीनदयाल उपाध्याय भू-जल संवर्धन मिशन (शहरी) के तहत नगरीय निकायों में भू-जल के संचय, संवर्धन और रिचार्ज के लिए मिशन मोड पर कार्य करने की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग ने नवा रायपुर स्थित राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के साथ मिलकर सभी नगरीय निकायों के लिए तीन दिवसीय गहन ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया है। इसमें देश-विदेश के विषय विशेषज्ञ अर्बन एक्वीफर मैनेजमेंट विषय पर सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों एवं अभियंताओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि नगरीय प्रशासन विभाग ने इस साल 20 मई को शहरों में भू-जल और वर्षा जल के संरक्षण-संवर्धन के लिए पं. दीनदयाल उपाध्याय भू-जल संवर्धन मिशन (शहरी) लांच किया था। प्रशिक्षण के बाद निकायों द्वारा इसके लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाएगी।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने विगत 22 सितम्बर से शुरू तीन दिनों के प्रशिक्षण के दूसरे दिन मंगलवार को सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। वे आज अपने मुंगेली प्रवास के दौरान सभी अधिकारियों और प्रशिक्षण दे रहे विशेषज्ञों से वर्चुअली जुड़े और उन्हें संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भू-जल का संरक्षण और रिचार्ज आज की बड़ी चुनौती है। शहरों

की बढ़ती आबादी और वहां जल संकट से निपटने के लिए प्रभावी कार्य करना जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस प्रशिक्षण से हमारे नगरीय निकायों के अधिकारियों को भू-जल के संचय, संवर्धन और रिचार्ज से जुड़ी तकनीकी जानकारी मिलेगी। वे एक्वीफर मैपिंग, भूजल पुनर्भरण तकनीक तथा शहरी जल प्रबंधन की आधुनिक पद्धतियों से अवगत होकर अपने शहर के विकास की कार्ययोजना बनाते समय इनका ध्यान रख सकेंगे। इससे वे भू-जल के संवर्धन के लिए भी प्रभावी योजनाएं तैयार कर सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि नगरों के विकास की योजना बनाते समय जल संरक्षण को प्राथमिकता से शामिल करना होगा। जल संचय और रिचार्जिंग सिस्टम के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा विकसित करना होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों से प्रशिक्षण का पूरा लाभ लेने को कहा। श्री साव ने राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के साथ ही प्रशिक्षण दे रहे सभी विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से हम नगरीय निकायों में भू-जल के संरक्षण और रिचार्ज के लिए प्रभावी काम कर सकेंगे। राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय सहित नगरीय प्रशासन विभाग एवं सुडा के वरिष्ठ अधिकारी भी प्रशिक्षण से ऑनलाइन जुड़े।

अर्बन एक्वीफर मैनेजमेंट विषय पर दे रहे प्रशिक्षण

प्रदेशभर के नगरीय निकायों के वरिष्ठतम अधिकारियों और अभियंताओं को अर्बन एक्वीफर मैनेजमेंट विषय पर देश-विदेश के विशेषज्ञ प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण के पहले दिन 22 सितम्बर को राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमिजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, नवा रायपुर की वैज्ञानिक बिजिमोल जोस के साथ ही सीजीडब्ल्यूबी, चेन्नई के वैज्ञानिक डॉ. एम. सेंथिल कुमार ने शहरी क्षेत्रों के जल भू-विज्ञान के बारे में जानकारी दी। वहीं मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफरिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद के प्राध्यापक डॉ. अरुणांग्शु मुखर्जी ने छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों में भू-जल परिदृश्य के बारे में बताया।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन आज सीजीडब्ल्यूबी, नई दिल्ली के पूर्व सदस्य डॉ. दीपांकर साहा ने उथले जलभृतों (Aquifer) में भूजल की गुणवत्ता, सीजीडब्ल्यूबी, नई दिल्ली के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक एसके मोहिद्दीन ने भारत के मेट्रो शहरों में वर्षा जल संचयन और प्रबंधित जलभृत पुनर्भरण (एमएआर) तथा डेनमार्क के आरहूस विश्वविद्यालय के फैकल्टी डॉ. फिलिप ने डेनमार्क के शहरी जलभृत प्रबंधन के अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण के तीसरे दिन 24 सितम्बर को सीजीडब्ल्यूबी, नई दिल्ली के वैज्ञानिक मधुकर सिंह शहरी क्षेत्रों में कृत्रिम पुनर्भरण के सरल और व्यावहारिक तरीकों, बायोम एनवायर्नमेंटल, बेंगलुरु के संस्थापक और निदेशक एस. विश्वनाथ बेंगलुरु के शहरी जलभृत प्रबंधन और सर्वोत्तम प्रथाओं तथा केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के डॉ. उदय भोंडे शहरी विकास एजेंडा के तहत शहरी जलभृत प्रबंधन परियोजनाओं की जानकारी देंगे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बदल रही लोगों की जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। सूरज की किरणें अब केवल जीवनदायिनी शक्ति ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती का नया स्रोत भी बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम उपभोक्ताओं को ऊर्जा उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बना दिया है। रायगढ़ जिले में यह योजना सैकड़ों परिवारों के जीवन को नई रोशनी दे रही है। अब तक जिले में 300 से अधिक घरों की छत पर सौर पैनल लगाए जा चुके हैं। इस योजना का लाभ उठाने वाले परिवारों के अनुभव ही इसकी असली सफ्लता की कहानी बयां कर रही हैं।

लोहरसिंह गांव के ईश्वर प्रसाद नायक ने बताया कि 3 किलोवॉट का सोलर प्लांट लगाने के बाद अप्रैल में 267 यूनिट बिजली उत्पन्न हुई। उन्हें 577 रुपए की छूट मिली। मई में उनका पूरा उपभोग सौर ऊर्जा से पूरा हुआ और बिल शून्य हो गया। रायगढ़ के प्रदीप मिश्रा और प्रदीप पटेल ने बताया गया कि इस योजना ने उन्हें आर्थिक राहत के साथ मानसिक शांति और आत्मनिर्भरता का अहसास भी कराया। हीरापुर कोतरा रोड के राजेंद्र चौरसिया ने बताया कि जुलाई में उनके 3 किलोवॉट प्लांट से 507 यूनिट बिजली उत्पन्न हुई। उन्हें 4,178 रुपए की छूट मिली। वे अब अतिरिक्त बिजली ग्रिड में देकर हर महीने हजारों रुपये की बचत कर रहे हैं।

आकर्षक सब्सिडी और आसान प्रक्रिया

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 1 किलोवाट प्लांट से प्रतिमाह लगभग 120 यूनिट बिजली उत्पादन होता है। इसमें केंद्र सरकार 30 हजार रुपए एवं राज्य सरकार 15 हजार रुपए सब्सिडी प्रदान करती है। 2 किलोवाट प्लांट से प्रतिमाह लगभग 240 यूनिट बिजली उत्पादन होता है। इसमें केंद्र सरकार 60 हजार रुपए एवं राज्य सरकार 30 हजार रुपए सब्सिडी देती है। 3 किलोवाट प्लांट से प्रतिमाह लगभग 360 यूनिट बिजली उत्पादन होता है। इसमें केंद्र सरकार 78 हजार रुपए एवं राज्य सरकार 30 हजार रुपए सब्सिडी देती है। शेष राशि उपभोक्ता स्वयं वहन करेंगे, जिसे बैंक ऋण सुविधा के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है। उपभोक्ता पद पोर्टल, पीएम सूर्यघर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल वेबसाइट, मोर बिजली ऐप अथवा टोल-फ्री नंबर 1912 पर कॉल कर आवेदन कर सकते हैं।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

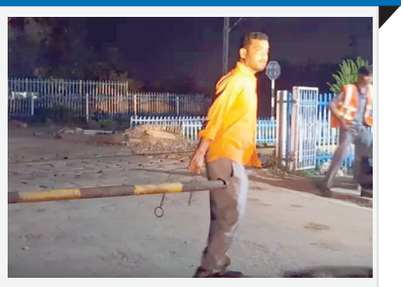

नशेड़ी ड्राइवर ने रेलवे फाटक तोड़ा, गुजरने वाली थी ट्रेन

दुर्ग। बघेरा रेलवे फाटक पर बड़ी दुर्घटना हो गई। ट्रेन आने के कुछ क्षण पहले ही नशे में धुत्त ट्रेक्टर चालक ने बंद बैरियर को तोड़ते हुए पार कर लिया। जैसे ही ट्रेक्टर उस पार हुई वैसे ही ट्रेन वहां गुजरी। फाटक संचालन के लिए मौजूद ऑपरेटर ने क्षतिग्रस्त बैरियर को तत्काल हटाया। जिसके बाद अब वैकलिक व्यवस्था से फाटक को बंद किया जा रहा है। वही घटना को अंजाम देने वाले ट्रेक्टर चालक पर कार्यवाही के लिए रेलवे पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि नयापारा दुर्ग में एक युवक नशे में धुत्त ट्रेक्टर चालक आधा दर्जन सायकल को टक्कर मारकर कोटनी गांव की तरफ भाग रहा था। इसी दौरान बघेरा रेलवे क्रासिंग का फाटक ट्रेन आने की वजह से बंद था। ऐसे में ट्रेक्टर चालक बिना रुके फाटक को तोड़ते हुए भाग गया। बंद फाटक पर खुलने का इंतजार करते कुछ वाहन भी खड़े थे वे भी अपने आप को बचा लिए। बता दें इस रेलवे क्रासिंग फाटक में बैरियर बटन के जरिए ऑपरेट होता था, जो कि क्षतिग्रस्त होने की वजह से मैनुवली किया जा रहा है। जिसके कारण आने जाने वालों को अधिक समय का इंतजार करना पड़ रहा है तो वही खतरा भी बढ़ गया है। अब देखना होगा उक्त ट्रेक्टर चालक के खिलाफ क्या कार्यवाही हो पाती है और इस क्षतिग्रस्त बैरियर को कब तक सुधार लिया जाता है।

नाले में डूबने से दो बच्चियां की मौत

मुंगेली। जिले के सरगांव थाना क्षेत्र के चिरौटी गांव में दो चचेरी बहनों की नाले में डूबने से मौत हो गई। मृतक बच्चियों की पहचान 6 वर्षीय रबिया जोशी (पिता अनूप जोशी) और 7 वर्षीय अंगिता जोशी (पिता संजय जोशी) के रूप में हुई है। घटना शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन की है। दोनों बच्चियां अपनी दो अन्य सहेलियों के साथ गांव के टेसवा नाले में नहाने गई थीं। नाले की पचरी पर फिसलन की वजह से दोनों बच्चियां गहरे पानी में चली गईं। बच्चियों को डूबता देख उनकी सहेलियां शोर मचाती हुई बस्ती की ओर भागीं और लोगों को घटना की जानकारी दी। ग्रामीण तुरंत घटनास्थल पहुंचे और बच्चियों को नाले से बाहर निकाला। दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सरगांव थाना पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।इस दुखद घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। एक साथ दो बच्चियों की मौत से हर कोई शोक में है।

मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार

सक्ती। सक्ती पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए महज 24 घंटे के भीतर मोटरसाइकिल चोरी का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई बजाज पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस की इस तत्परता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त और त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

नाबालिग लड़की को भगाकर लाया घर, मां-बाप ने बेटे का दिया साथ, तीनों आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। युवक ने अपने माता-पिता के साथ मिलकर एक नाबालिग को लगभग एक सप्ताह तक अपने घर में रखा और लगातार उसके साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दिया था। मामले में परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस की टीम ने माता-पिता समेत आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मामला शंकरगढ़ थाना क्षेत्र का है जहाँ एक 14 साल की नाबालिग लगभग एक सप्ताह पहले जब घर से लापता हुई तो घर वालों को काफी चिंता हुई। काफी खोजबीन करने के बाद भी कहीं भी उसका पता नहीं चला। माता-पिता ने रिश्तेदारों, पड़ोसियों और गाँव में काफी उसका पता तलाश किया लेकिन कहीं भी उसका पता नहीं चल रहा था। बेटी के इस तरह गायब हो जाने से माता-पिता की चिंता काफी बढ़ गई थी कि आखिर वह कहाँ चली गई। उन्होंने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई तो शंकरगढ़ पुलिस की टीम ने तत्काल अपहरण की शिकायत दर्ज करते हुए नाबालिग की खोज शुरू की। पुलिस की टीम ने तत्परता दिखाते हुए अपराध दर्ज करने के 24 घंटे के भीतर ही मुखबिर की सूचना पर पता तलाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से नाबालिग को उसी के घर से बरामद कर लिया।

नाबालिग ने बताया कि आरोपी ने अपने घर में रखकर उसके साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दिया और उसके माता-पिता ने भी इसमें उसका साथ दिया था। आरोपी उसके साथ शादी करना चाहता था और उसके माता-पिता भी इसमें उसका सहयोग कर रहे थे। पुलिस की टीम ने मामले में 10 से अधिक धाराओं के तहत अपराध दर्ज करते हुए आरोपी युवक की गिरफ्तारी की और उसका साथ देने के आरोप में उसके माता-पिता को भी गिरफ्तार करते हुए तीनों आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया है। पीड़िता का मेडिकल कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है। वर्तमान समय में बेटियाँ पड़ोसी और आसपास के लोगों से ही सुरक्षित दिखाई नहीं दे रही हैं। लगातार उन्हें अपनों से ही खतरा महसूस होने लगा है। इस मामले में पुलिस की तत्परता से आरोपी तो सलाखों के पीछे चले गए हैं लेकिन नाबालिग की आबरू लूट चुकी है।

पदयात्रा पर निकली भिलाई की युवती हिट एंड रन का शिकार, तेज रफ्तार थार चालक ने रौंदा, मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नवरात्रि शुरु होने के बाद मां बमलेश्वरी के दर्शन के लिए पदयात्रा पर निकली भिलाई की एक युवती हिट एंड रन का शिकार हो गई। घटना मंगलवार सुबह की है। युवती अपनी बहन व अन्य साथियों के साथ पदयात्रा कर रही थी। सोमनी के पास तेज रफ्तार थार चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए उसे चपेट में ले लिया। गंभीर रूप से घायल युवती को पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे भिलाई के सेक्टर-9 अस्पताल लाया गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मामला राजनांदगांव जिले के सोमनी थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार कैलाश नगर हाउसिंग बोर्ड भिलाई निवासी 21 वर्षीय युवती महिमा साहू बहन याचिका साहू व अन्य पांच साथियों के साथ डोंगरगढ़ जाने सोमवार की रात को पदयात्रा पर निकले थे। रात भर चलने के बाद सुबह 8 बजे के करीब सोमनी पहुंचे। इस दौरान इनका जत्था सड़क किनारे पदयात्रियों के लिए बनाए गए लाइन पर चल रहे थे। इस बीच पीछे से लापरवाही पूर्वक व तेज रफ्तार थार ने महिला साहू को अपनी चपेट में ले लिया।

थार की ठोकर से महिमा गंभीर रूप से घायल हो गई। साथ में चल रही उसकी बहन याचिका ने मदद के लिए गुहार लगाई। इस दौरान एक कार चालक रुका और घायल महिमा को नजदीकी अस्पताल ले गया। वहां से लौटाने पर घायल को बीएसपी के सेक्टर-9 अस्पताल लाया गया। अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद महिमा के घर पर मातम का माहौल है। वहीं इस मामले में राजनांदगांव के सोमनी थाना पुलिस जांच कर रही है। थार चालक की तलाश की जा रही है।

नशीली इंजेक्शन बरामद, 3 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। डीआईजी और एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के सख्त निर्देश पर थाना-चौकी प्रतापपुर की पुलिस ने भारी मात्रा में नशीली इंजेक्शन बरामद करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में दो मोटर सायकल और तीन मोबाइल फोन भी जप्त किए गए। 22 सितंबर को प्रतापपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि तीन लोग पोड़ी चौक के पास ग्राहकों की तलाश में नशीली इंजेक्शन लेकर घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में संतोष पाल उर्फ बिल्ला, पिता स्व. नन्दूपाल, 22 वर्ष, ग्राम कृष्णनगर (धमनी), थाना त्रिकुंडा, जिला बलरामपुर। बबलू राजवाड़े, पिता टेमसाय, 19 वर्ष, ग्राम करौंदा बस्ती जरही, थाना भटगांव। अनिल सिंह, पिता स्व. रामाशंकर सिंह, 19 वर्ष, ग्राम करौंदा। आरोपियों के कब्जे से कुल 180 नग नशीली इंजेक्शन बरामद किए। इसमें 90 नग एविल इंजेक्शन और 90 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन शामिल हैं। इनकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 1 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा, तीन मोबाइल फोन और दो मोटर सायकल भी पुलिस ने जप्त किए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रतापपुर के थाना प्रभारी अमित कौशिक के नेतृत्व में टीम सक्रिय रही। टीम के अन्य सदस्यों में शामिल थे। एएसआई बजरंगी लाल चौहान, प्रधान आरक्षक रविशंकर चौबे, आरक्षक राजकुमार पासवान, रामदयाल राठिया, अपील चौधरी और सत्य नारायण सिंह, इन अधिकारियों की तत्परता और गहन जांच के कारण ही आरोपी मौके से गिरफ्तार किए जा सके और नशीली दवाओं की बरामदगी संभव हो सकी।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले की नवागढ़ पुलिस ने वन मंडल विभाग निगम में नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख की धोखाधड़ी के मामले में फरार आरोपी चंद्रकांत चौहान को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड में भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले में गिरफ्तार आरोपी के खिलाफIPC की धारा 420 के तहत जुर्म दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी, कोरबा जिले के बांकीमोंगरा का रहने वाला है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रूखमणी चौहान ने 19 जनवरी 2022 को रिपोर्ट लिखवाई थी कि, सोशल मीडिया के माध्यम चंद्रकांत चौहान उर्फगोलू से मुलाकात हुई थी। तब उसने अपने आप को SCEL में अधिकारी के पद पर पदस्थ हूं कहकर अपने परिवार के अन्य सदस्य को भी बड़े पोस्ट में होना बताया था। इस दौरान उसे झांसे में लेकर वन मंडल विभाग निगम में सीधी भर्ती में नौकरी लगवाने के नाम पर रुपये की मांग की थी। इस पर वह अलग-अलग किस्त में 3 लाख 23 हजार रुपए दिए थे। इसके बाद में आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज किया था और अब पुलिस ने 3 साल से फरार आरोपी चंद्रकांत चौहान उर्फ गोलू को गिरफ्तार करके उसे न्यायिक रिमांड में भेज दिया है।

रायगढ़ में पुलिस से शिकायत करने पर गुस्सा हुआ युवक महिला से रेप की कोशिश, पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कोतरारोड़ थाना क्षेत्र में महिला से छेड़खानी और मारपीट करने वाले आरोपी को कोतरारोड़ पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी की पहचान लाला साहू उर्फ बालकदास साहू पिता स्व. जयकरण साहू उम्र 43 वर्ष निवासी किरोड़ीमलनगर, थाना कोतरारोड़ के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार मामले में पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दो दिन पहले आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौच और मारपीट की थी, जिस पर कोतरारोड़ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की थी। उसी विवाद को लेकर 21 सितंबर की दोपहर आरोपी ने पीड़िता को मेरे खिलाफ थाना में शिकायत की है कहकर धमकी देते हुए उस पर बुरी नीयत से छेड़छाड़ की, गंदी-गंदी गालियां दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट की। घटना को पीड़िता के पति और आसपास मौजूद लोगों ने देखा तथा बीच-बचाव भी किया। महिला की रिपोर्ट पर थाना कोतरारोड़ में अपराध क्रमांक 422/2025 धारा 296, 115(2), 74 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी लाला साहू को गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेजा गया। महिला संबंधी अपराध में त्वरित कार्यवाही में थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज, महिला उप निरीक्षक कुसुम केवर्त, आरक्षक चंद्रेश पाण्डेय, चुड़ामणी गुप्ता की अहम भूमिका रही।

ऑनलाइन सट्टेबाजी-चार आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने एशिया कप के भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान आनलाइन सट्टेबाजी में संलिप्त गिरोह का पर्दाफाश किया और 4 आरोपी गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 32,500 रुपये नगदी और सट्टेबाजी में इस्तेमाल हुए 4 मोबाइल, जिनकी कुल कीमत लगभग 2,50,000 रुपये थी, जब्त की है। मोबाइलों में लाखों रूपये के सट्टेबाजी संबंधी हिसाब-किताब भी पुलिस को प्राप्त हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, आरोपी अनिल सिंह साही उर्फ झमरू, मयंक गावड़े, सत्यम साहू और निखिल साहू जयंती स्टेडियम सिविक सेंटर में बैठकर uncle.Betg एप्लिकेशन के माध्यम से आनलाइन सट्टेबाजी कर रहे थे। सट्टा बाजार का भाव देखने के लिए वे लाइन गुरू एप्लिकेशन का उपयोग कर रहे थे।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि यह प्लेटफॉर्म उन्हें दुर्ग निवासी हर्ष देवांगन, रवि सोनकर और भुनेश्वर चंद्राकर से प्राप्त हुआ था। पुलिस ने बताया कि आरोपी एक गिरोह के रूप में अपराध कर रहे थे। उनके खिलाफ थाना भिलाई नगर में अपराध क्रमांक 495/2025, धारा जुआ प्रतिबंध अधिनियम 2022 की धारा 6, 7 और धारा 112 BNS के तहत मामला दर्ज किया गया। धारा 112 को जोड़ने का कारण यह था कि आरोपियों ने संगठित तरीके से जुआ सट्टा किया। पुलिस ने अभियान के तहत मुखबीर से सूचना प्राप्त होने के बाद 22 सितंबर को कार्रवाई की। सूचना थी कि जयंती स्टेडियम सिविक सेंटर में 4 व्यक्ति ऑनलाइन सट्टेबाजी कर रहे हैं। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर मौके से गिरफ्तार किया।

आरोपी में अनिल सिंह साही उर्फझमरू, पिता स्व. हरजीत सिंह, उम्र 32 वर्ष, रूआंबांधा बस्ती, जयस्तंभ चैक, गुप्ता होटल के पास भिलाई। मयंक गावड़े, पिता बाबूराव गावड़े, उम्र 32 वर्ष, सेक्टर 05, सड़क 26, क्वार्टर 05ए, भिलाई। सत्यम साहू, पिता ए.के. साहू, उम्र 24 वर्ष, मकान नंबर 49एफ रिसाली सेक्टर, थाना नेवई। निखिल साहू, पिता कुशल साहू, उम्र 22 वर्ष, रूआंबांधा यादव चैक, संदीप किराना स्टोर के पीछे, भिलाई नगर शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपीगण के मोबाइल जप्त कर उनके सट्टेबाजी के ट्रांजैक्शन और हिसाब-किताब की जांच शुरू कर दी है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि उन्होंने किस-किस के साथ मिलकर ऑनलाइन जुआ सट्टा किया और कितने लोगों को इस गिरोह से फायदा या नुकसान हुआ। पुलिस ने बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी के माध्यम से लाखों रूपये का लेन-देन मोबाइल एप्स के माध्यम से किया गया। आरोपीगण ने इसे क्रीकेट मैच के दौरान संचालित किया, ताकि किसी को इसकी भनक न लगे। इस गिरोह के संचालन से खेल प्रेमियों और आम जनता के बीच अवैध जुआ और सट्टेबाजी का माहौल बन गया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई सट्टेबाजी और जुआ पर नकेल कसने की दिशा में अहम कदम है।

शिक्षक ने बच्ची को अगरबत्ती से जलाने का आरोप

रायपुर। शहर के एक स्कूल में महिला टीचर की ऐसे कारगुजारी सामने आई है, जिसे जानकर आप भी हैरान रह जायेंगे। महिला टीचर पर स्कूल के ही एक छह साल की बच्ची को जलती अगरबत्ती से दागने का आरोप है। बच्ची ने जब इसकी शिकायत घरवालों से की तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद नाराज परिजन सीधे स्कूल पहुंचे और कार्रवाई की मांग करने लगे। हंगामे को देखते हुए आरोपी महिला टीचर को स्कूल से निकाल दिया गया है।

यह पूरी घटना सुन्दर नगर क्षेत्र में स्थित कृष्णा किड्स अकादमी इंटरनेशनल स्कूल की है। यहां महिला टीचर दीपा पदस्थ है। दीपा पर आरोप है कि, उसने बच्ची को किसी कारणवश अगरबत्ती से जलाया है। बहरहाल महिला टीचर को बर्खास्त कर दिया गया है।

न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी छावनी/भिलाईनगर जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार //

दाण्डिक प्रकरण क्रमांक / 588/विविध/2025

थाना प्रभारी थाना वैशाली नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग के द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी में जप्त लावारिश / लादावा वाहनों के निराकरण/नीलामी की कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त होने पर थाना प्रभारी थाना प्रभारी थाना वैशाली नगर जिला दुर्ग द्वारा अपने चौकी/थाने क्षेत्रांतर्गत जप्त लावारिश वाहनों की जानकारी संबंधित परिवहन कार्यालय से लिया जाकर वाहन स्वामियों को वाहन रजिस्ट्रेशन पत्र के साथ उपस्थित होकर वाहन सरंक्षण में लेने हेतु नोटिस जारी किया गया था, जो अदम तामीली प्राप्त होने से नीलामी की कार्यवाही किये जाने बाबत् धारा-28 पुलिस एक्ट अनुसार ईस्तगासा क्रमांक 01/2025 तैयार कर प्रेषित किया गया है।

अत: वाहनों के नीलामी की कार्यवाही के पूर्व समाचार पत्र के माध्यम से अनुसूची में दर्शित वाहनों के वाहन मालिकों को समाचार पत्र के माध्यम से संसूचित किया जाता है कि वे सूची में दर्शित वाहनों के सरंक्षण प्राप्ति हेतु दावा आपत्ति रखते हो तो वाहन रजिस्ट्रेशन पत्रक एवं पहचान पत्र के साथ आगामी पेशी तिथि 26.09.2025 तक न्यायालयीन समय में स्वत: अथवा अपने अभिभावक / अभिभाषक / अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से लिखित में दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है म्याद वाद पश्चात उजर दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

थाना प्रभारी थाना वैशाली नगर जिला दुर्ग में जप्त लावारिश/लादावा वाहनों का विवरण निम्न क्यूआर कोड को स्कैन कर देख सकते है।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से आज दिनांक 21.08.2025 को जारी किया गया।

जी - 252603670/2

अनुविभागीय दण्डाधिकारी
छावनी / भिलाईनगर, जिला-दुर्ग

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

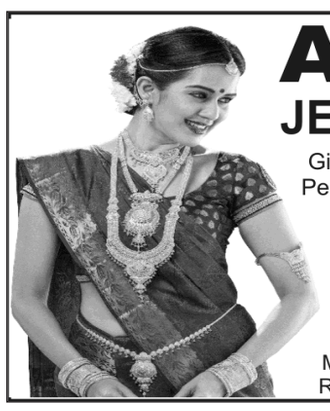
Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone,
Nano & Double Charge
Verified Tiles Digital Wall &
Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़,
अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी
का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

गौरवशाली 25 वर्ष

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

छत्तीसगढ़ शासन सत्यमेव जयते

हमर छत्तीसगढ़

विकास और विश्वास का नया दौर

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य

सन् 2000

- स्वास्थ्य सूचकांक: 0.585
- शिशु मृत्यु दर प्रति हजार जीवित जन्म पर 77
- ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचा कमजोर
- जिला अस्पतालों की संख्या 06

सन् 2025

- स्वास्थ्य सूचकांक: 0.672
- शिशु मृत्यु दर: प्रति हजार जीवित जन्म पर 38
- ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण
- जिला अस्पतालों की संख्या 30

RO. No. 45320/1

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950